अगला क़दम...

सक्षम

(पूर्व-शैक्षणिक विकास)

समावेशी शिक्षा शाखा, शिक्षा निदेशालय, दिल्ली सरकार

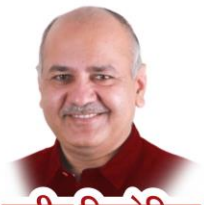

मनीष सिसोदिया
MANISH SISODIA

सत्यमेव जयते

उप मुख्यमंत्री, दिल्ली सरकार
दिल्ली सचिवालय, आई.पी. एस्टेट,
नई दिल्ली–110002

Deputy Chief Minister, GNCTD
Delhi Secretariat, I.P. Estate,
New Delhi-110002

संदेश

नमस्कार!

मैं आप सभी के उत्तम स्वास्थ्य की कामना करता हूँ। यह पुस्तिका आपके समक्ष प्रस्तुत करते हुए अत्यंत अभिभूत हो रहा हूँ जो कि हमारे विशेष आवश्यकता वाले बच्चों की शिक्षा एवं प्रगति की दिशा में अगला कदम है। हमारी सरकार हमेशा से ही पूर्ण निष्ठा एवं लगन से शिक्षा द्वारा समाज में परिवर्तन लाने और राष्ट्र निर्माण के लिए दृढ़ संकल्प है। यह उद्देश्य विशेष आवश्यकता वाले बच्चों को मुख्य धारा में लाये बिना पूरा नहीं किया जा सकता है।

कोरोना महामारी के दौरान भी सरकार की पूरी कोशिश रही है कि विशेष शिक्षा अध्यापक अपने विद्यार्थियों से अनवरत जुड़े रहें। गृह आधारित शिक्षा योजना एवं 'समर्थ' पुस्तिका में दी गई गतिविधियों के माध्यम से शिक्षक आपके सहयोग से बच्चों को शिक्षा एवं मार्गदर्शन उपलब्ध कराते रहे हैं।

विशेष आवश्यकता वाले बच्चे वर्ष के किसी भी समय स्कूल में दाखिला ले सकते हैं। दाखिले की आयु सीमा में भी 4 साल की छूट दी गयी है। सभी स्कूलों को बाधामुक्त बनाया जा रहा है। स्कूलों से जुड़े सभी सदस्यों के लिए आवश्यकतानुसार ओरिएंटेशन प्रोग्राम आयोजित किये जाते हैं।

बच्चों की विशेष आवश्यकता की पहचान हेतु प्रत्येक वर्ष जिला स्तर पर चिकित्सकीय आकलन शिविर आयोजित करने के पश्चात् नामित बच्चों को उपयुक्त उपकरण/उपस्कर प्रदान किये जाते हैं। बच्चों के प्रोत्साहन हेतु विभिन्न सहायता राशियाँ जैसे दिव्यांग छात्राओं के लिये वज़ीफा, मार्गरक्षी-भत्ता, यात्रा-भत्ता, थेरेपी के लिए भत्ता, पठन-भत्ता, लेखन-भत्ता आदि प्रदान किये जाते हैं।

मैं उम्मीद करता हूँ कि अपने नाम के अनुरूप ही यह पुस्तक विशेष आवश्यकता वाले बच्चों को भावी जीवन के लिए 'सक्षम' बनायेगी।

मनीष सिसोदिया
शिक्षा मंत्री, दिल्ली सरकार

H. RAJESH PRASAD
IAS

प्रधान सचिव (शिक्षा/प्रशिक्षण व तकनीकी शिक्षा/ उच्च शिक्षा)
राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र
दिल्ली सरकार
पुराना सचिवालय, दिल्ली-110054
दूरभाष: 23890187 टेलीफैक्स : 23890119

Pr. Secretary (Education/TTE/ HE)
Government of National Capital Territory of Delhi
Old Secretariat, Delhi-110054
Phone : 23890187, Telefax : 23890119
E-mail : secyedu@nic.in

संदेश

प्रिय बच्चों एवं अभिभावकों,

बड़े हर्ष का विषय है कि दिल्ली सरकार, शिक्षा विभाग की समावेशी शिक्षा शाखा के अथक प्रयास और कर्मठता का प्रतिबिंब यह गतिविधि पुस्तिका **'अगला कदम.... सक्षम'** प्रकाशित हो रही है। यह पुस्तिका विशेष आवश्यकता वाले बच्चों व उनके अभिभावकों को कोरोना महामारी के समय में निरंतर और क्रमबद्ध मार्गदर्शन देने का प्रयास है। वर्तमान परिस्थितियों में, जब बच्चों का स्कूलों में आना संभव नहीं है, इस गतिविधि पुस्तिका के माध्यम से हमारे बच्चे घर पर रहकर अपने अभिभावकों व परिवार के अन्य सदस्यों के साथ विभिन्न कौशलों का विकास कर पायेंगे।

"परिश्रम का फल मीठा होता है।" आपके किए गए प्रयास कल बच्चों के कौशल एवं व्यवहार में प्रतिबिंबित होंगे।

बच्चों, आप अपनी खूबियों को पहचाने। निरंतर अभ्यास से इनको निखारें और अपने जीवन पथ पर प्रगति करें।

मुझे पूर्ण विश्वास है कि इस पुस्तिका में दी गई गतिविधियाँ न केवल आज बल्कि भविष्य में भी विशेष आवश्यकता वाले बच्चों को यथासंभव आत्मनिर्भर बनाएंगी।

(एच. राजेश प्रसाद)
प्रधान सचिव (शिक्षा)

UDIT PRAKASH RAI, IAS
Director, Education & Sports

Directorate of Education
Govt. of NCT of Delhi
Room No. 12, Civil Lines
Near Vidhan Sabha,
Delhi-110054
Ph.: 011-23890172
Mob.: 8700603939
E-mail : diredu@nic.in

संदेश

प्रिय बच्चों एवं अभिभावकों,

यह प्रसन्नता का विषय है कि दिल्ली के सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले विशेष आवश्यकता वाले बच्चों के सर्वांगीणविकास के लिए यह पुस्तिका प्रकाशित की जा रही है।

हम सभी जानते हैं कि अभिभावक ही बच्चों के पहले गुरु होते हैं। वे ही अपने बच्चों की रुचियों एवं क्षमताओं से भली-भाँति परिचित होते हैं। कोविड-19 के दौरान अभिभावकों की यह भूमिका और भी महत्वपूर्ण हो जाती है जब बच्चे घर पर ही रहकर उनके साथ अधिक समय बिता रहे हैं।

इसी को ध्यान में रखते हुए 'समावेशी शिक्षा शाखा' द्वारा प्रकाशित पुस्तिका में विशेष आवश्यकता वाले बच्चों के संपूर्ण विकास हेतु हर संभव कोशिश की गयी है।पढ़ाई के साथ-साथ खेल-कूद, विभिन्न प्रकार के सहगामी क्रियाकलाप एवं चित्रकला आदि के माध्यम से बच्चों के संपूर्ण व्यक्तित्व को उनकी अभिरुचि एवं क्षमतानुसार निखारने और संवारने का सतत् प्रयास है।

आप और आपका परिवार स्वस्थ एवं प्रसन्न रहे। जीवन में प्रगति-पथ पर सदैव अग्रसर रहे, यही मेरी शुभकामनाएँ हैं।

"चलो, अपनी उड़ान को नए पंख लगाते हैं,
अगला कदम.... सक्षम बनने की ओर बढ़ाते हैं।"

(उदित प्रकाश राय)
निदेशक (शिक्षा)

प्रस्तावना

प्रस्तुत पुस्तिका मुख्यतः दिल्ली के सरकारी स्कूलों मे पढ़ रहे विशेष आवश्यकता वाले बच्चों एवं उनके अभिभावकों के लिए एक संदर्शिका के रूप में सहायक सिद्ध होगी। इस पुस्तिका का उद्देश्य विशेष आवश्यकता वाले बच्चों के कौशलात्मक विकास में सहयोग देना है ताकि कोविड-19 जैसी वैश्विक महामारी के दौरान बच्चे घर पर ही रहकर दैनिक, शैक्षणिक व अन्य कौशलों को विकसित कर सकें एवं उनका सर्वांगीण विकास सुचारू रूप से चलता रहे।

इस पुस्तिका में दी गई गतिविधियों को समझने के लिए सरल भाषा के साथ चित्रों का प्रयोग किया गया है। अभिभावक इन गतिविधियों और चित्रों को सरलतापूर्वक समझकर आसानी से उपलब्ध होने वाले संसाधनों का प्रयोग करके बच्चों से नियमित अभ्यास करा सकेंगे।

इस पुस्तिका में विशेष शिक्षा पर आधारित शिक्षण पद्धति एवं विशेष तकनीक का प्रयोग किया गया है जिससे बच्चे के स्तर एवं आवश्यकतानुसार विभिन्न कौशलों से सम्बंधित गतिविधियों को प्रभावी रूप से सिखाया जा सके।

कोरोना महामारी के दौरान समावेशी शिक्षा शाखा, शिक्षा निदेशालय, दिल्ली सरकार द्वारा विशेष आवश्यकता वाले बच्चों के शिक्षा सम्बंधित विभिन्न कार्यों को आगे बढ़ाते हुए यह पुस्तिका अभिभावकों के लिए पथ प्रदर्शक सिद्ध होगी।

समिति के सदस्य इस पुस्तक में दिये गये कुछ चित्रों को बनाकर स्वैच्छिक योगदान देने के लिए श्री नीलकमल सक्सेना के आभारी हैं।

आशा करते हैं कि प्रस्तुत पुस्तिका विशेष आवश्यकता वाले बच्चों के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

दिशा-निर्देश

इस पुस्तिका की रचना का उद्देश्य कोरोना महामारी के दौरान विशेष आवश्यकता वाले बच्चों में अभिभावकों की सहायता से पढ़ने-लिखने के प्रारंभिक कौशलों का विकास करना है। इस पुस्तिका का प्रभावशाली रूप से प्रयोग करने के लिए निम्नलिखित बिंदुओं को ध्यान में रखना आवश्यक है:-

1. इस पुस्तिका में बच्चों के लिए दी गई गतिविधियों को घर पर सिखाने में अभिभावकों की भूमिका महत्वपूर्ण है।
2. इस पुस्तिका में सम्मिलित गतिविधियां, दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम-2016 के अंतर्गत दी गई समस्त 21 दिव्यांगताओं के लिए उपयोगी हैं।
3. इस पुस्तिका में विशेष आवश्यकता वाले बच्चों में पूर्व शैक्षणिक कौशलों के विकास हेतु गतिविधियों को निम्नलिखित भागों में विभाजित किया गया है:-

    I. पूर्व-पठन कौशल (प्री-रीडिंग स्किल)
    II. पूर्व-लेखन कौशल (प्री-राइटिंग स्किल)
    III. पूर्व-गणितीय कौशल (प्री-मैथ्स स्किल)

4. इस पुस्तिका में गतिविधियों को इस प्रकार चयनित किया गया है कि यह दैनिक जीवन के क्रियाकलापों के दौरान घर पर उपलब्ध वस्तुओं की सहायता से सरलतापूर्वक कराई जा सकती हैं।
5. इस पुस्तिका में विषयवस्तु को क्रमबद्ध तरीके से सरल से कठिन की ओर बढ़ते हुए क्रम में दिया गया है जिससे बच्चे के स्तर एवम् क्षमता के अनुसार गतिविधियों का अभ्यास कराया जा सके।
6. अभिभावक पुस्तिका के बेहतर इस्तेमाल के लिए विद्यालय के विशेष शिक्षा अध्यापक या अध्यापिका से सलाह लें।
7. इस पुस्तिका में विषय की मुख्य अवधारणाओं को सहज रूप से बच्चे को समझाने के लिए विभिन्न वर्कशीट्स दी गई हैं जिनका प्रयोग अभिभावक विशेष शिक्षक के निर्देशन में करेंगे।
8. इस पुस्तिका में गतिविधियों को इस प्रकार निर्मित किया गया है कि बच्चे की सभी इंद्रियों का उपयोग करके पूर्व शैक्षणिक कौशलों (पठन, लेखन एवं गणित) को आसानी से खेल-खेल में विकसित किया जा सके।
9. इन गतिविधियों के निरंतर अभ्यास से अभिभावक बच्चों के साथ घर पर ही रहकर उन्हें आगे की पढ़ाई के लिए तैयार कर सकते हैं।
10. विशेष शिक्षा अध्यापक अपनी रचनात्मकता से इन गतिविधियों को और भी रुचिपूर्ण बनाकर दिव्यांग छात्र/छात्राओं की आवश्यकता के अनुरूप प्रयोग कर सकते हैं।

पुस्तक-समिति के सदस्य

मुख्य संयोजक

श्री उदित प्रकाश राय, निदेशक(शिक्षा), शिक्षा निदेशालय, दिल्ली।

संयोजक

श्री रामचंद्र शिनगारे, संयुक्त शिक्षा निदेशक, समावेशी शिक्षा शाखा, शिक्षा विभाग, दिल्ली।

संयोजक सदस्य

श्री अजय कुमार सिंह, विशेष कार्याधिकारी/राज्य समन्वयक, समावेशी शिक्षा शाखा, शिक्षा विभाग, दिल्ली।

श्री रवि के. एम., अकादमिक समन्वयक, समावेशी शिक्षा शाखा, शिक्षा विभाग, दिल्ली।

श्री इंद्राज, अकादमिक समन्वयक, समावेशी शिक्षा शाखा, शिक्षा विभाग, दिल्ली।

श्री विक्रमजीत, अकादमिक समन्वयक, समावेशी शिक्षा शाखा, शिक्षा विभाग, दिल्ली।

श्री बिमल कुमार, समन्वयक (समावेशी शिक्षा) समग्र शिक्षा, दिल्ली।

कार्यकारी सदस्य

सभी सदस्य शिक्षा विभाग, दिल्ली सरकार के विभिन्न स्कूलों में प्रशिक्षित स्नातक (विशेष शिक्षा अध्यापक) के पद पर कार्यरत हैं-

श्री दानिश हसन हाशमी, राजकीय सह-शिक्षा वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, आर.के. पुरम, नई दिल्ली।

श्रीमती दिव्या, राजकीय बालिका वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, बी-1, वसन्त कुन्ज, नई दिल्ली।

सुश्री मीनाक्षी गंगवार, सर्वोदय कन्या विद्यालय, पंडारा रोड, नई दिल्ली।

श्रीमती मेघा तिवारी, सर्वोदय कन्या विद्यालय, गेकुलपुरी, दिल्ली।

श्रीमती नीलम शर्मा, सर्वोदय सह-शिक्षा वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, नानक पुरा, मोतीबाग-2, नई दिल्ली।

श्रीमती प्रीति शर्मा, राजकीय बालिका माध्यमिक विद्यालय, लाल कुआँ न.-1, दिल्ली।

श्रीमती रोहिना किलम, स्कूल ऑफ एक्सीलेंस, कालकाजी, दिल्ली।

श्रीमती सारिका सिंह, राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक बालिका विद्यालय न.-3, अम्बेडकर नगर, नई दिल्ली।

श्रीमती स्वाति शर्मा, सर्वोदय कन्या विद्यालय, माता सुंदरी रोड, नई दिल्ली।

श्री वकील अहमद, राजकीय बाल माध्यमिक विद्यालय, मयूर विहार, फेस-3, दिल्ली।

विषय सूची

क्र. संख्या	कार्य क्षेत्र	पृष्ठ संख्या
(I)	**पूर्व-पठन कौशल (प्री-रीडिंग स्किल)**	**1-16**
1.	पूर्व-पठन कौशल (हिन्दी)	1-7
2.	पूर्व-पठन कौशल (अंग्रेजी)	8-16
(II)	**पूर्व-लेखन कौशल(प्री-राइटिंग स्किल)**	**17-25**
1.	लेजी '8'	17-19
2.	स्ट्रोक बनाना (सीधी, आड़ी, तिरछी एवम् अर्ध गोलाकार रेखा/लाइन)	20-23
3.	'द-मेज़ गेम' (भूल-भुलैया)	24-25
(III)	**पूर्व-गणितीय कौशल (प्री-मैथ्स स्किल)**	**26-41**
1.	बड़ा और छोटा	26-30
2.	गणनीय (Cardinal) संख्या एवम् क्रमांक (Ordinal) संख्या	31-34
3.	आकार	35-41

(I) शैक्षणिक(एकेडेमिक्स): हिन्दी- पूर्व पठन-कौशल (प्री-रीडिंग स्किल)

1.गतिविधि का नाम: पढ़ने का कौशल/पठन कौशल।

लक्ष्य	बच्चा चित्रों के माध्यम से अक्षरों को पढ़ना सीख पाएगा।
अधिगम लाभ	चित्रों को पहचान कर नाम बताना एवं अक्षर ज्ञान।

1 (क) गतिविधि स्तर 1	**1 (ख) गतिविधि स्तर 2**	**1 (ग) गतिविधि स्तर 3**
चित्रों की पहचान।	चित्रों के माध्यम से अक्षरों की पहचान।	स्वतंत्र रूप से अक्षरों की पहचान।
प्रक्रिया		
1. बच्चे को एक बार में एक चित्र दिखाएं और उसकी पहचान करवाएं। [वर्कशीट 1 (क)] 2. चित्र की पहचान न होने पर उसे चित्र में दर्शाई गई वस्तु का नाम बताएं। 3. बच्चा यदि 10 में से 8 के नाम पहचान लेता है तब आप एक ही पृष्ठ पर 4 से 5 चित्र लें। [वर्कशीट 1 (ख)] 4. बच्चे से वस्तुओं के नाम पूछें। 5. बच्चे को हर सही जवाब पर शाबाशी दें। 6. बच्चे की समझ को जांचने के लिए उसे कोई चित्र दिखाएं और उसमें अपनी पहचान की वस्तु खोजने दें। [वर्कशीट-1 (ग)]	1. बच्चे को दर्शाए गए चित्र के नाम का पहला अक्षर बताएं। अभिभावक वर्कशीट 2 (क) की मदद लें। 2. बच्चे को भी अपने साथ-साथ दोहराने को कहें। 3. यही प्रक्रिया अन्य अक्षरों के साथ भी दोहराएं। 4. बच्चे को शुरुआत में 4-5 अक्षर ही याद करवाएं। अर्थात अ, आ, इ, ई उ, ऊ आदि। यह याद हो जाने पर क्रम से अगले अक्षरों पर जाएं। जैसे कि ए, ऐ, ओ, औ, अं, अः। 5. बच्चे को अक्षर-ज्ञान गीत के माध्यम से भी कराया जा सकता है। 6. बच्चे की समझने और सीखने की गति के अनुसार ही आगे बढ़ें। 7. जब बच्चा सिखाए हुए सभी अक्षर याद कर ले तब उसे नीचे दी गई वर्कशीट से अभ्यास करवाएं।	1. बच्चे को नीचे दिए गए चित्र में बादल में से अपनी पहचान के अक्षर छांटने को कहें और उनका उच्चारण करने के लिए कहें। 2. बच्चे को सही अक्षर छांटने पर शाबाशी दें। 3.सही जवाब ना मिलने पर बच्चे को दोबारा उस अक्षर की पहचान करवाएं। 4.बच्चे को नए अक्षरों की पहचान कराने के लिए चित्रों की सहायता लें सकते हैं। 5.इसी प्रकार बच्चे को पूरी वर्णमाला का ज्ञान कराएँ। 6.बच्चा अब तक संभवतः पूरी हिन्दी वर्णमाला पढ़ चुका होगा। 7.बच्चे ने कितने अक्षर सीख लिए हैं इसे जांचने के लिए वर्कशीट 3(ख) से अभ्यास करवाएं। 8.बच्चे को रोज के इस्तेमाल में आने वाली वस्तुओं को वर्ण से जोड़कर याद करवाएं।

गतिविधि 1- वर्कशीट 1 (क)

प्रारंभ में एक पृष्ठ पर एक ही चित्र दिखाएं:

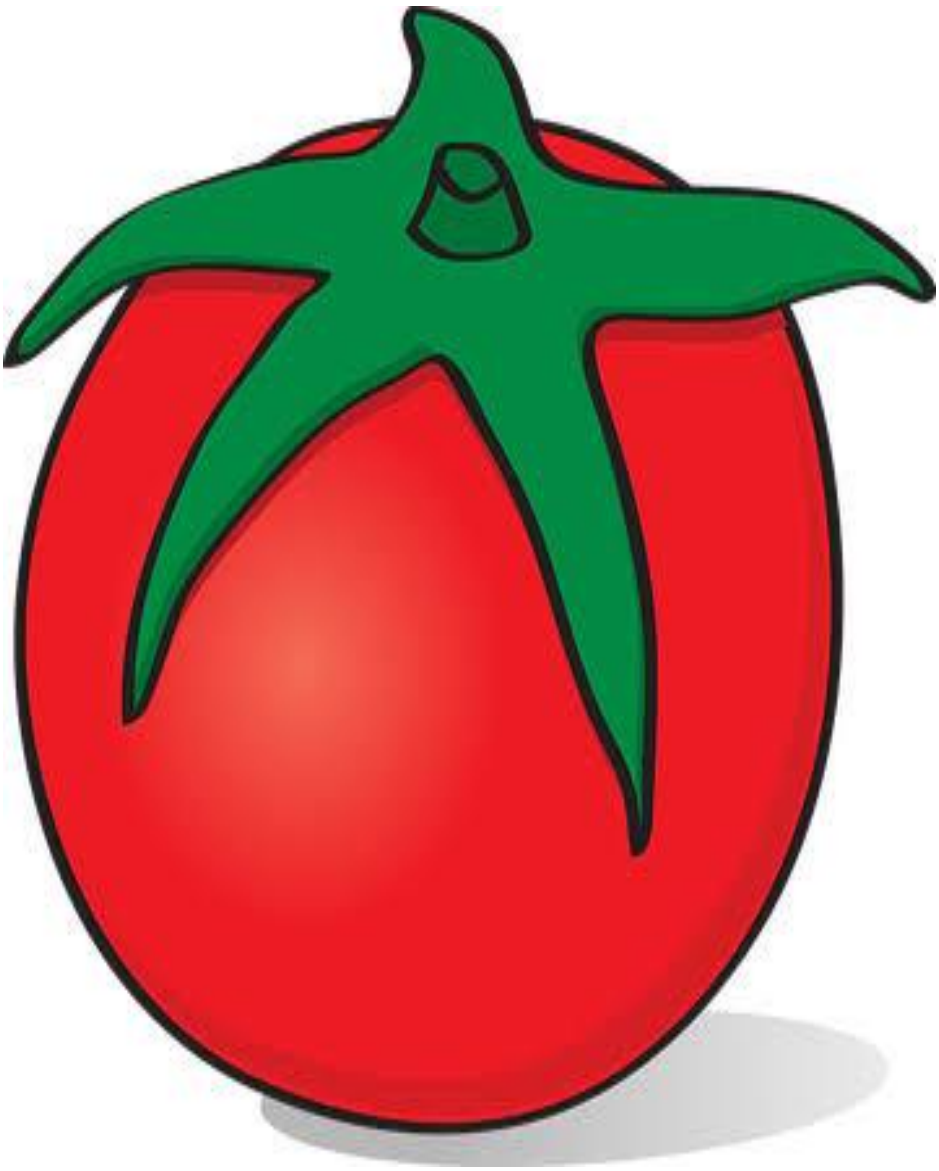

टमाटर

रोटी

गतिविधि 1 - वर्कशीट 1 (ख)

एक पृष्ठ पर 5-6 चित्र दिखाएं और नाम पूछें: -

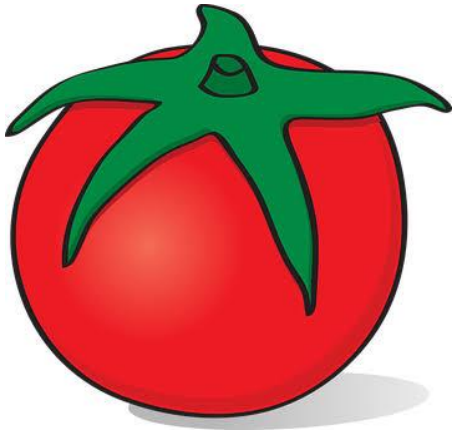

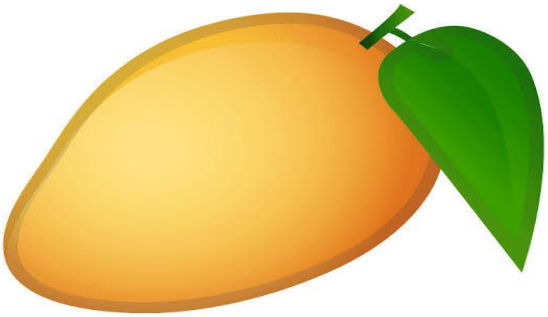

गतिविधि 1 - वर्कशीट 1 (ग)

नीचे दिये गये दृश्य में से अपनी पहचान की वस्तुओं के नाम बताएं।

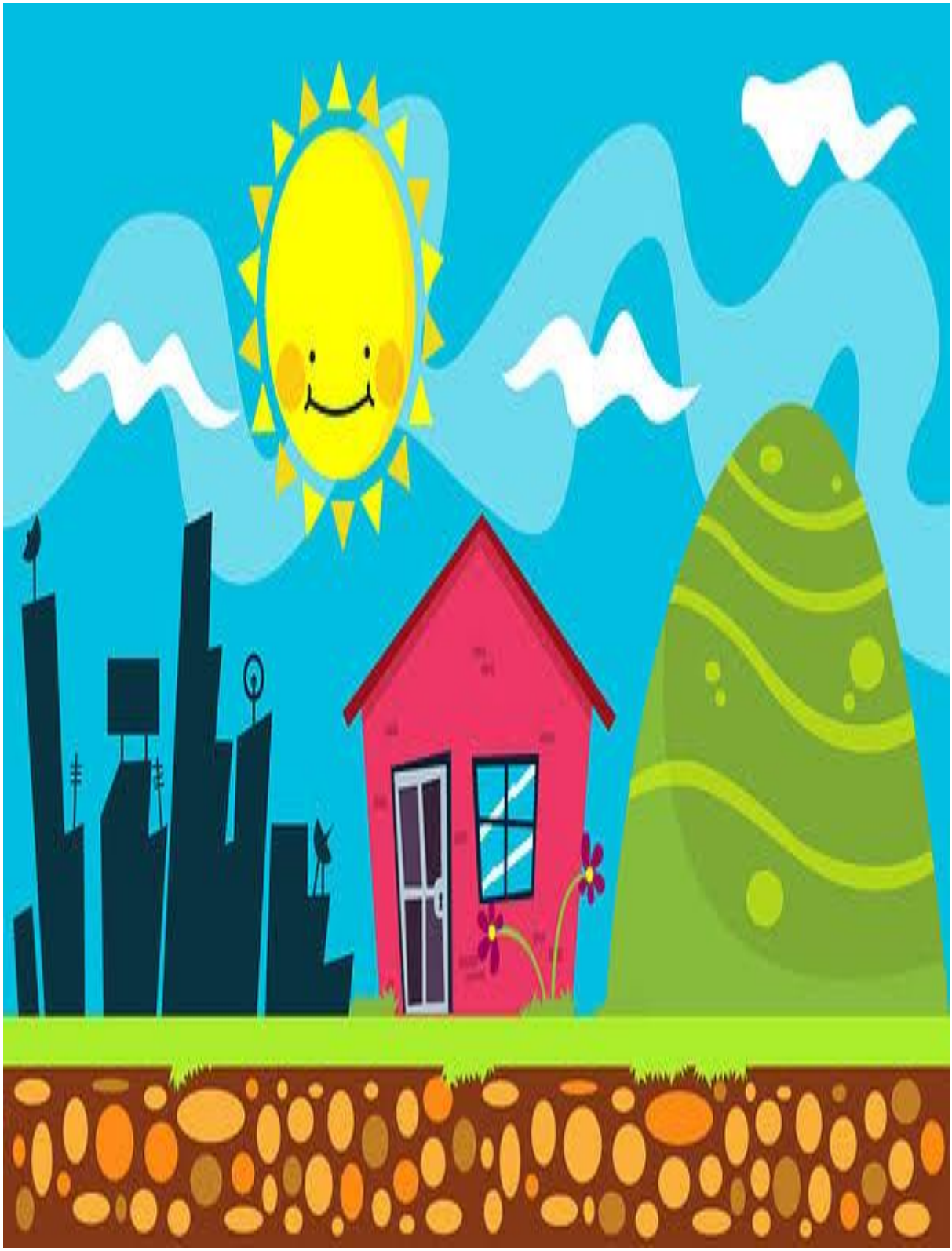

गतिविधि 1 - वर्कशीट 2

चित्र के साथ एक शब्द को जोड़कर पढ़ना जैसे कि- अ से अनार, आ से आम, इत्यादि।

अ	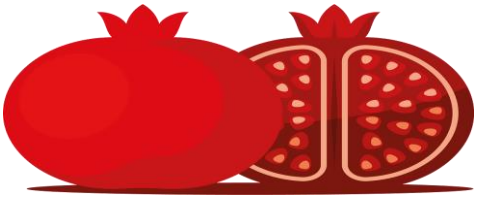
आ	
इ	
ई	
उ	
ऊ	

गतिविधि 1 - स्तर 3

अक्षर पहचानें: -

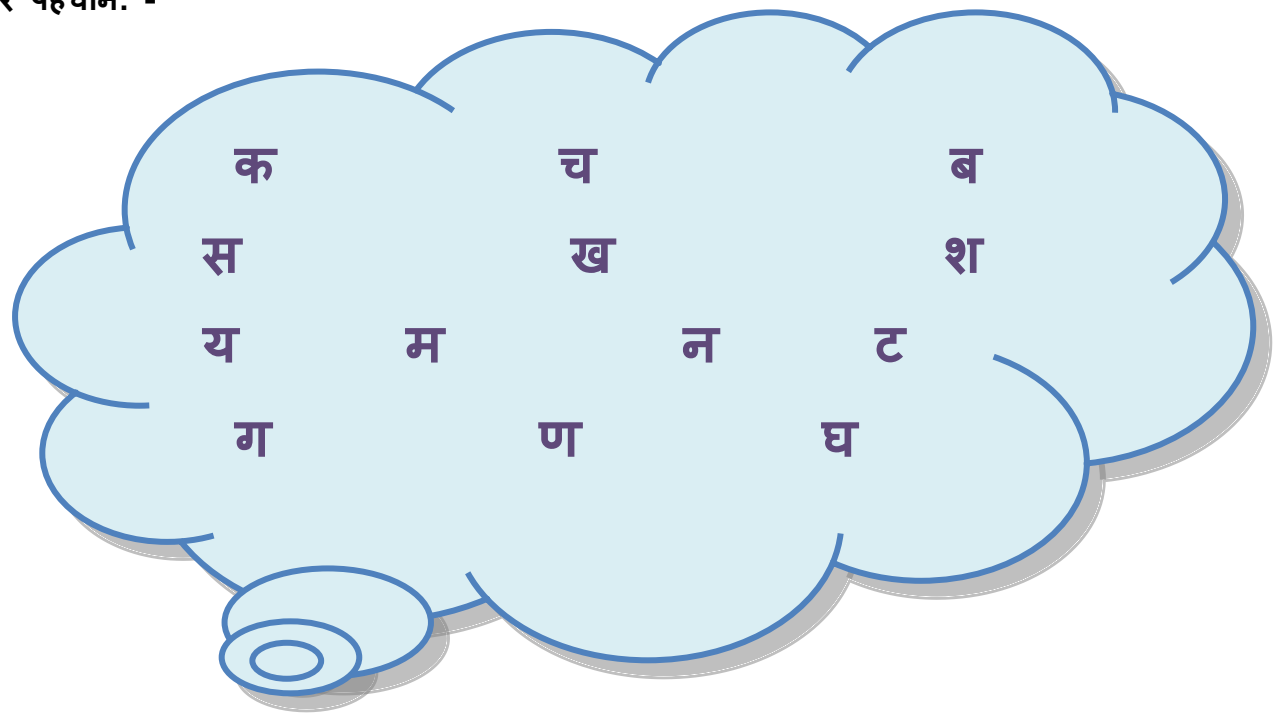

नीचे दी गयी तालिका को देखें, खंड क में दिये गए अक्षरों को खंड ख में ढूंढें और बताएं: -

खंड क	खंड ख			
स	ख	ट	स	म
ज	ज	ह	ग	न
प	श	घ	ण	झ
फ	च	क	ब	फ

(I) शैक्षणिक(एकेडेमिक्स):- Pre-reading (English)

2.गतिविधि का नाम : पढ़ने का कौशल/पठन कौशल।

लक्ष्य	पढ़ने से पूर्व के प्रारम्भिक कौशल का विकास।
अधिगम लाभ	भाषायी ध्वनियों को **(phonic sounds)** याद करना एवं शब्दावली का विकास।

2 (क) गतिविधि स्तर 1	**2 (ख) गतिविधि स्तर 2**	**2 (ग) गतिविधि स्तर 3**
चित्रों की पहचान।	चित्रों के माध्यम से अक्षरों की पहचान।	स्वतंत्र रूप से अक्षरों की पहचान।
प्रक्रिया		
1. बच्चे को कुछ चित्र दिखाएं और उनकी पहचान करवाएं। 2. चित्र की पहचान न होने पर उसे चित्र में दर्शाई गई वस्तु का नाम अंग्रेजी में बताएं जैसे कि apple, sun, moon, star इत्यादि। 3. संभवतः बच्चा कुछ चित्र पहचान लेगा परन्तु उनके नाम हिन्दी में लेगा। उदाहरण के तौर पर एप्पल का चित्र देखकर बोलना सेब। बच्चे को समझाएं कि सेब को apple भी कहते हैं। 4. बच्चा यदि 10 में से 8 वस्तुओं के नाम पहचान लेता है तब आप एक ही पृष्ठ पर 5 से 6 चित्र लें। 5. बच्चे से उनके नाम अंग्रेजी में पूछें। 6. बच्चे को हर सही जवाब पर शाबाशी दें। 7. बच्चे की समझ को जांचने के लिए उसे कोई दृश्य दिखाएं जैसे- नीचे पार्क का दृश्य दिया गया है। उस दृश्य से बच्चे को अपनी पहचान की वस्तुएँ खोजने के लिए कहें।	1.बच्चे को दर्शाए गए चित्र के नाम का पहला अक्षर बताएं। (अभिभावक वर्कशीट की मदद लें) जैसे कि A for apple, B for ball इत्यादि। 2. बच्चे को alphabet के साथ-साथ चित्र जोड़कर पढ़ना सिखाएं। 3.बच्चे को उस alphabet से शुरु होने वाली और भी वस्तुएं जोड़कर सिखाएं। जैसे कि A for ant, aeroplane, axe, etc 4. यही प्रक्रिया अन्य अक्षरों (alphabet) के साथ भी दोहराएं। 5.बच्चे को शुरुआत में 4-5 अक्षर ही याद करवाएं। 6.बच्चे को अक्षर-ज्ञान गीत के माध्यम से भी कराया जा सकता है। इसके लिये दिये गये लिंक के अनुसार आप वीडियो/ऑडियो का सहारा ले सकते हैं। 7.बच्चे को रोज़ प्रयोग मे आने वाली चीजों के बारे मे बताकर भी आप नयी शब्दावली याद करा सकते हैं। 8.बच्चे की समझने और सीखने की गति के अनुसार ही आगे बढ़ें। 9.जब बच्चा सिखाए हुए सभी अक्षर याद कर ले तब उसे नीचे दी गई वर्कशीट से अभ्यास करवाएं।	1.बच्चे को नीचे चित्र में दिए गए बादल में से अपनी पहचान के अक्षर छांटने को कहें और उनका उच्चारण करने के लिए कहें। 2.बच्चे को नए अक्षरों की पहचान कराने के लिए चित्रों की सहायता लें। 3.अक्षरों की पहचान के लिए वर्कशीट में दिए अक्षरों को दांयीं ओर ढूँढने के लिए कहें। 4.बच्चे को पहचाने गए अक्षरों में रंग भरने को कहें। 5.बच्चे के साथ यह प्रक्रिया सभी alphabets याद कराने के लिये दोहराई जा सकती है जब तक बच्चे को पूरी तरह से A -Z याद ना हो जाए। 6.बच्चे को अंग्रेजी alphabet का अभ्यास करवाएं। 7.बच्चे को phonic sounds की नीचे दी गयी worksheet की मदद से याद करायें। 8.इसके लिए गीत का माध्यम भी लिया जा सकता है।

गतिविधि 2 - स्तर 1 (क)

प्रारंभ में एक पृष्ठ पर चित्र दिखाएं:

POTATO

APPLE

गतिविधि 2 -स्तर 1(ख)

एक पृष्ठ पर 5-6 चित्र दिखाएं:-

गतिविधि 2 - स्तर 1(ग)

नीचे दिए गए दृश्य में से बच्चे को वस्तुएं पहचानने को कहें।

गतिविधि 2 - स्तर 2

चित्र के साथ एक शब्द को जोड़कर पढ़ना जैसे कि- A for APPLE, B for banana, इत्यादि I

A	
B	
C	
D	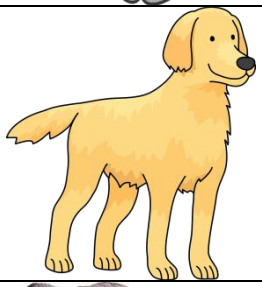
E	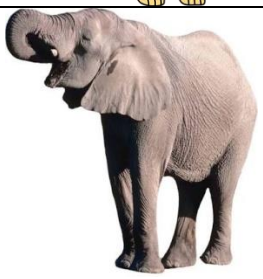

गतिविधि-2

स्तर-2 (ख)

Point to the correct image after identifying letters: -

सही चित्र पहचाने और उसपर अँगुली रखें:-

A	
B	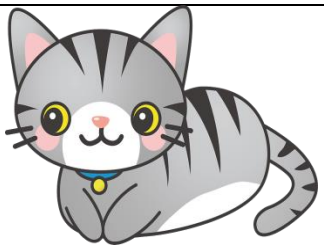
C	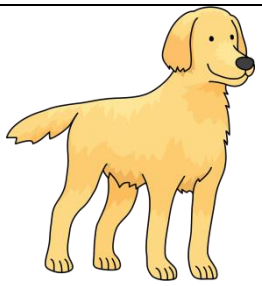
D	
E	

गतिविधि-2

स्तर-3 (क)

अक्षर को पहचानें-

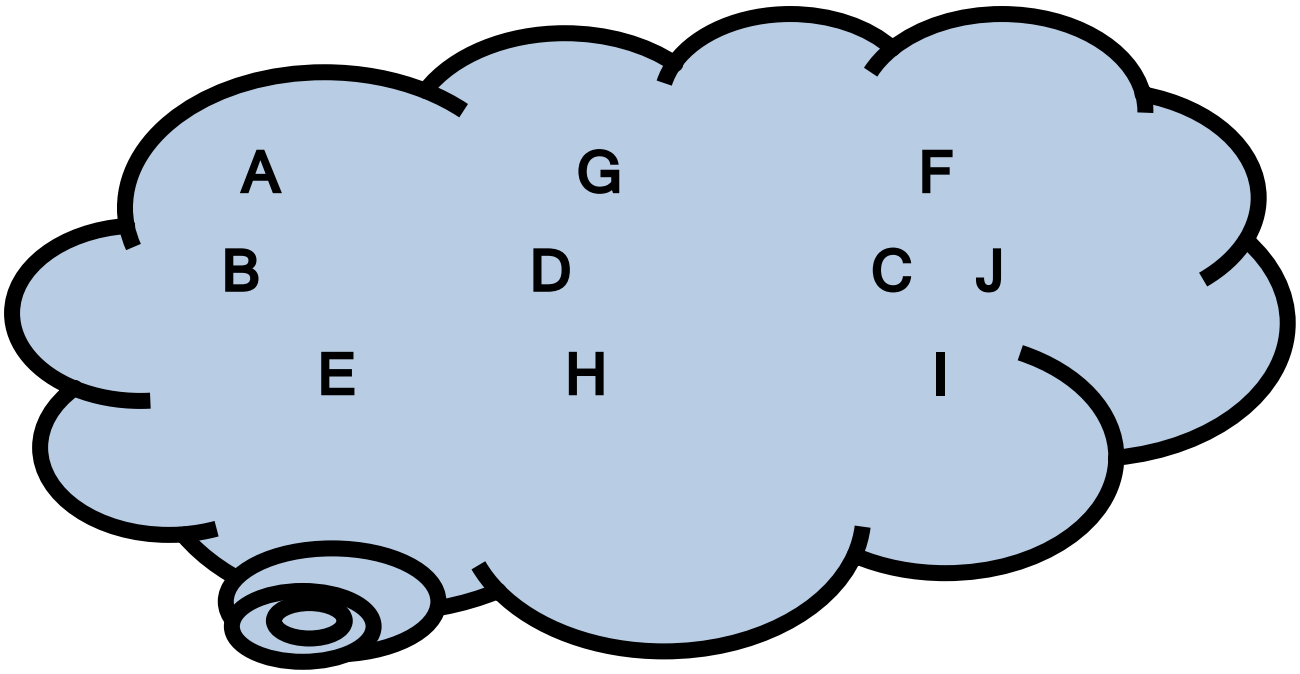

बांयीं तरफ लिखे गये अक्षर को दायीं तरफ के अक्षरों में से पहचान कर अंगुली रखें।

B	T	B	S	V
N	O	A	N	S
P	P	T	Q	Z
Y	S	P	M	Y

गतिविधि- 2

स्तर-3 (ख)

Alphabets Learning

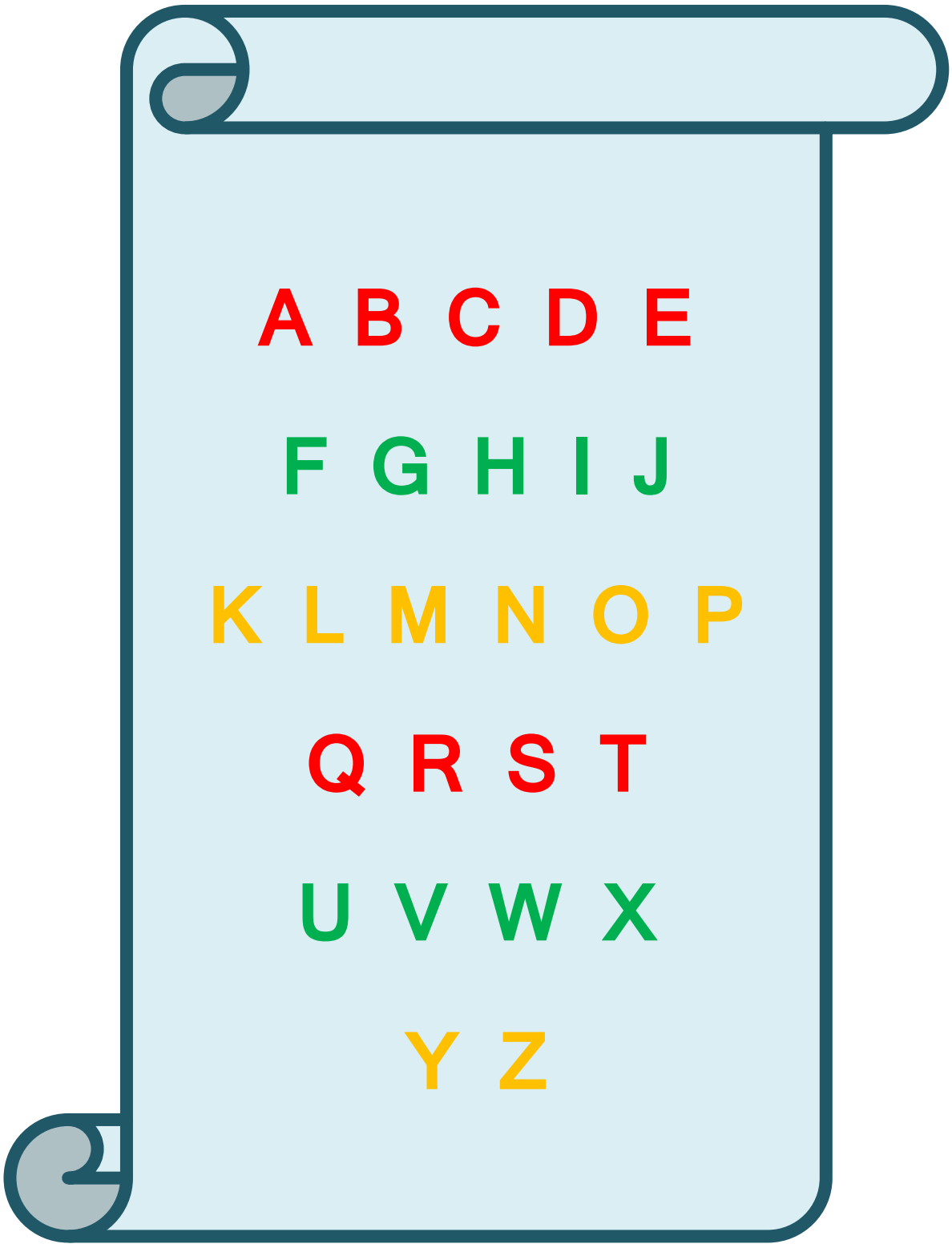

गतिविधि 2 -स्तर 3(ग)

Phonic Sounds

Alphabets	Phonic Sound in Hindi	Suggestive words
A	ऐ	Ant
B	ब	Bus
C	क	Car
D	ड	Drum
E	इ	Egg, English
F	फ	Fish
G	ग	Gun
H	ह	Hut
I	इ	Ink
J	ज	Jar
K	क	Kite
L	ल	Lamp
M	म	Moon
N	न	Nut
O	ओ	Ox
P	प	Pink
Q	क्यू	Queen
R	र	Run
S	स	Sun
T	ट	Tree
U	अ, यू	Under, Uniform
V	व	Van
W	व	Water
X	क्स	Box
Y	य	Yellow
Z	ज़	Zip

(II) शैक्षणिक(एकेडेमिक्स): पूर्व लेखन कौशल(प्री-राइटिंग स्किल)

1.गतिविधि का नाम:- लेज़ी '8'

लक्ष्य	शैक्षणिक(एकेडेमिक्स) कौशल का विकास।
अधिगम लाभ	पेंसिल की सही पकड़ का विकास, पूर्व लेखन(प्री-राइटिंग) कौशल का विकास, आँख व हाथ का समन्वय बढ़ाना एवं एकाग्रता बढ़ाना।

1 गतिविधि स्तर-1 , लेज़ी '8' बनाना
प्रक्रिया
1. बच्चे को एक थाली में रेत/आटा देना। 2. अभिभावक द्वारा उँगली से थाली में नमूने अनुसार लेज़ी 8 (लेटा हुआ 8) बनाकर दिखाना। 3. बच्चे को हाथ पकड़कर उसकी उँगली द्वारा थाली में रखी रेत/आटे पर लेज़ी 8 बनवाना। 4. बच्चे से थाली में में रखी रेत/आटे पर लेज़ी 8 का अभ्यास करवाना। 5. बच्चे से थाली में रखी रेत/आटे पर लेज़ी 8 स्वतंत्र रूप से बनाने को कहना। 6. बच्चे को सफल प्रयास पर प्रेरित करना। 7. अभिभावक द्वारा वर्कशीट में दिए गए लेज़ी 8 के मध्य में पेंसिल रखना एवं निम्नलिखित चरणों के अनुसार पेंसिल को घुमाकर लेज़ी 8 बनाना:- i) बायीं तरफ नीचे की ओर। ii) गोल घुमाते हुए बायीं तरफ से मध्य। iii) अब दायीं तरफ नीचे की ओर। iv) गोल घुमाते हुए दायीं तरफ से मध्य। 8. बच्चे को बताना कि इस प्रक्रिया को हमें दस बार दोहराना है एवं ध्यान रहे इस प्रक्रिया में पेंसिल कागज़ से न उठे। 9. बच्चे को वर्कशीट देना व सुनिश्चित करना कि वह आरामदायक स्थिति में बैठा हो और उसकी कोहनी को सहारा (सपोर्ट) मिले। 11. बच्चे को पहली वर्कशीट देना एवं क्रेयॉन से लेज़ी 8 बनाने को कहना (क्रेयॉन का घुमाव तीर के निशान (ऐरो) के अनुसार होना चाहिए । 12. बच्चे को दूसरी वर्कशीट देना एवं लेज़ी 8 बनाने का अभ्यास करने को कहना। 13. बच्चे को हर सफल प्रयास के बाद प्रोत्साहित करना। 14. बच्चे को आवश्यकतानुसार शारीरिक व मौखिक सहायता प्रदान करना। 15. बच्चे को एक कागज़ देना एवं स्वतंत्र रूप से लेज़ी 8 बनाने को कहना।
आवश्यक सामग्री
थाली, रेत/आटा, क्रेयॉन, पेंसिल, वर्कशीट, कागज़।

चित्र/वर्कशीट का प्रारूप-

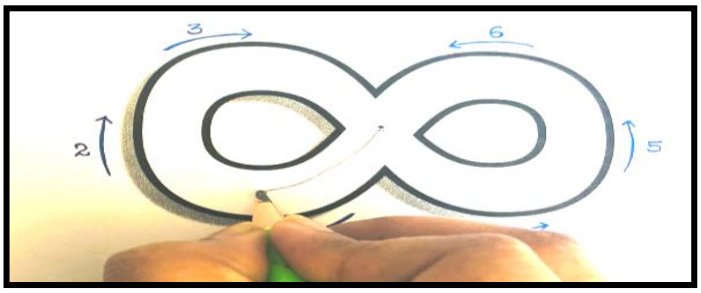

गतिविधि संख्या - 1

(स्तर - i)

नाम - _____ दिनांक-_____

कक्षा- _____

क्रेयॉन से लेज़ी '8' बनाओ (क्रेयॉन का घुमाव तीर के निशान (ऐरो) के अनुसार होना चाहिए) ।

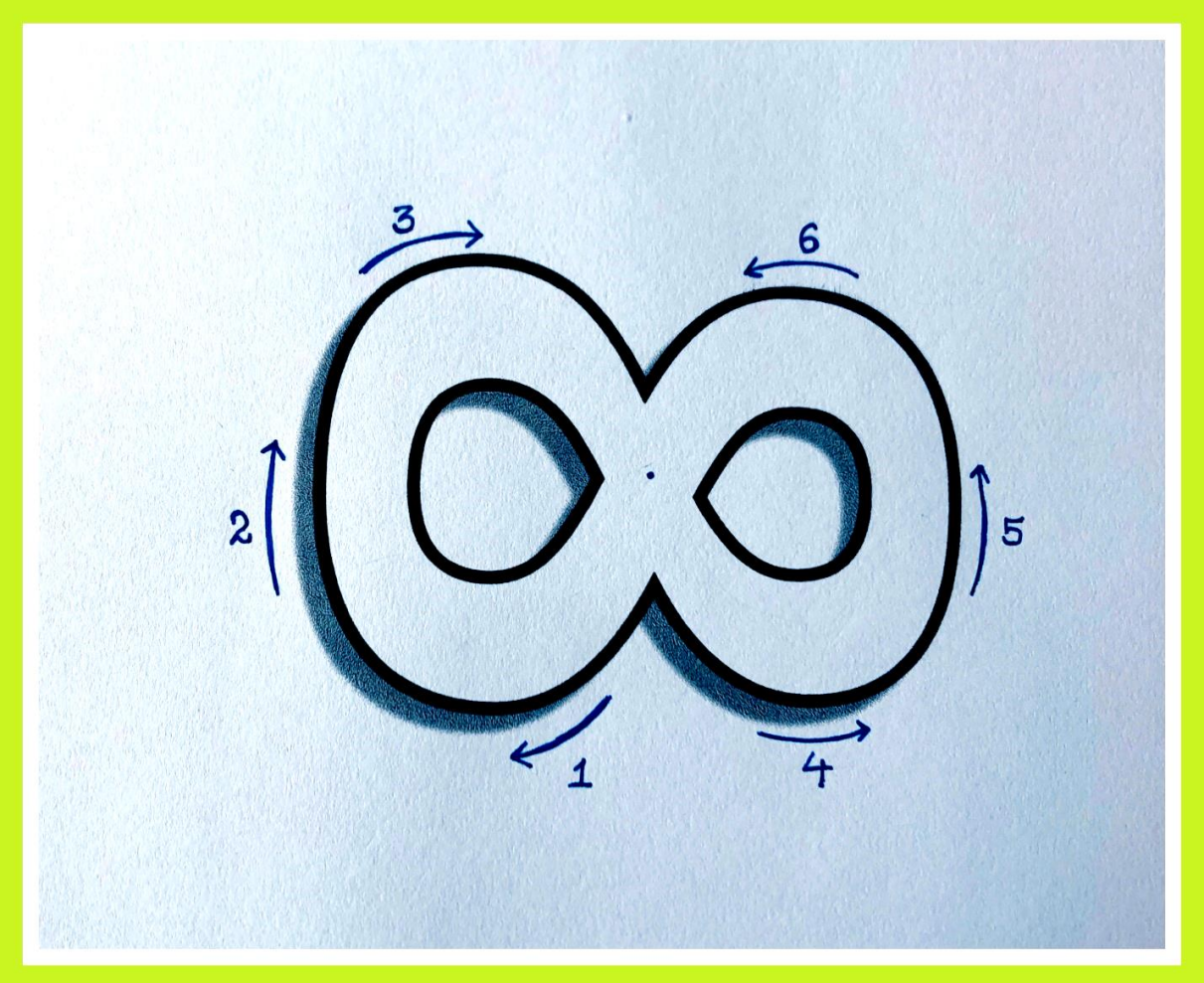

गतिविधि संख्या - 1

(स्तर - ii)

नाम - _____ दिनांक-_____

कक्षा- _____

लेज़ी 8 बनाने का अभ्यास करो ।

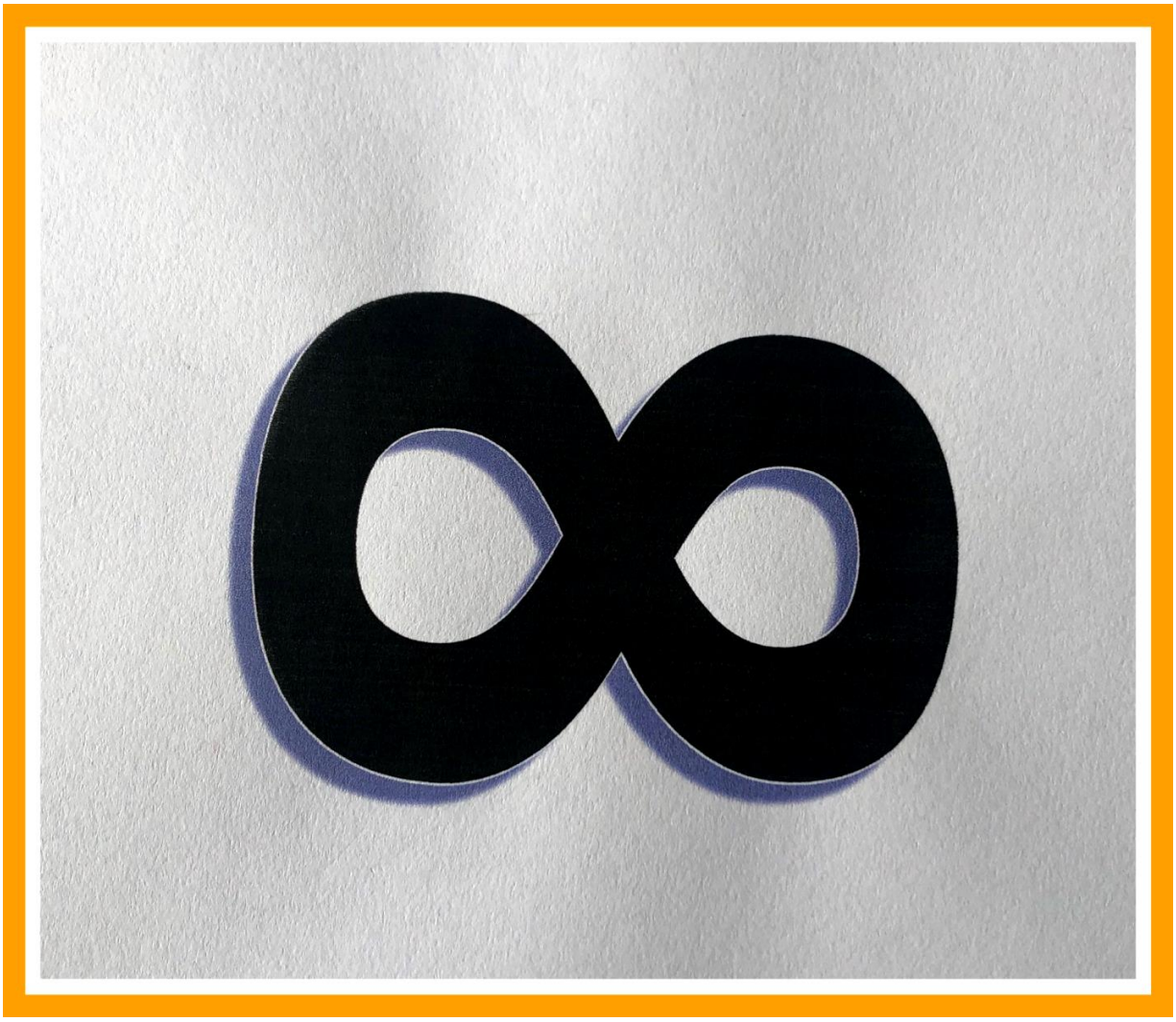

(I) शैक्षणिक(एकेडेमिक्स): पूर्व लेखन कौशल(प्री-राइटिंग स्किल)

2. गतिविधि का नाम:- स्ट्रोक बनाना। (सीधी, आड़ी, तिरछी एवं अर्ध गोलाकार लाइन/रेखा)

लक्ष्य	शैक्षणिक(एकेडेमिक्स) कौशल का विकास।
अधिगम लाभ	पूर्व लेखन(प्री-राइटिंग) कौशल का विकास एवं पेंसिल की सही पकड़ का विकास।

2 गतिविधि स्तर- 1
सीधी, आड़ी, तिरछी एवं अर्ध गोलाकार लाइन (रेखा) बनाना।
प्रक्रिया
1. बच्चे को नमूने में दिया गया चार्ट दिखाना | 2. बच्चे को एक-एक करके स्ट्रोक्स के पैटर्न दिखाना | 3. बच्चे को नमूने अनुसार पेंसिल/क्रेयॉन/स्केच-पेन से पैटर्न पूरा करके दिखाना (पैटर्न बनाने की सही दिशा बताने के लिए शुरुआती बिंदु एवं एरो/तीर का निशान दिया गया है)। 4. बच्चे को वर्कशीट देना व सुनिश्चित करना कि वह आरामदायक स्थिति में बैठा हो और उसकी कोहनी को सहारा (सपोर्ट) मिले | 5. वर्कशीट में दिए गए निर्देशों को पढ़कर सुनाना एवं पैटर्न बनाने को कहना | i) बैट से बॉल को मिलाएँ| (सीधी रेखा/Sleeping Line) ii) रॉकेट से निकलती हुई गैस दिखाना | (खड़ी रेखा/Standing Line) iii) बादल से बारिश दिखाना| (तिरछी रेखा/Slanting line) iv) साँप को चूहे के पास पहुँचाना| (अर्ध-वृत्ताकार/अर्ध गोलाकार/curve line) v) लहरों को जहाज तक पहुँचाना। 6. बच्चे को समय-समय पर सीधी रेखा, खड़ी रेखा, आड़ी, तिरछी रेखा व अर्ध गोलाकार आकृति बनाने का अभ्यास कराना।| 7. बच्चे की रुचि लिखने की तरफ बढ़ाने के लिए उँगली को रंग में डुबोकर अलग-अलग प्रकार की रेखाएं बनाने के लिए कहना | 8. बच्चे को हर सफल प्रयास के बाद प्रोत्साहित करना | 9. बच्चे को आवश्यकतानुसार शारीरिक व मौखिक सहायता प्रदान करना |
आवश्यक सामग्री
पेंसिल/क्रेयॉन/स्केच-पेन, कागज, वर्कशीट।

चित्र/वर्कशीट का प्रारूप-

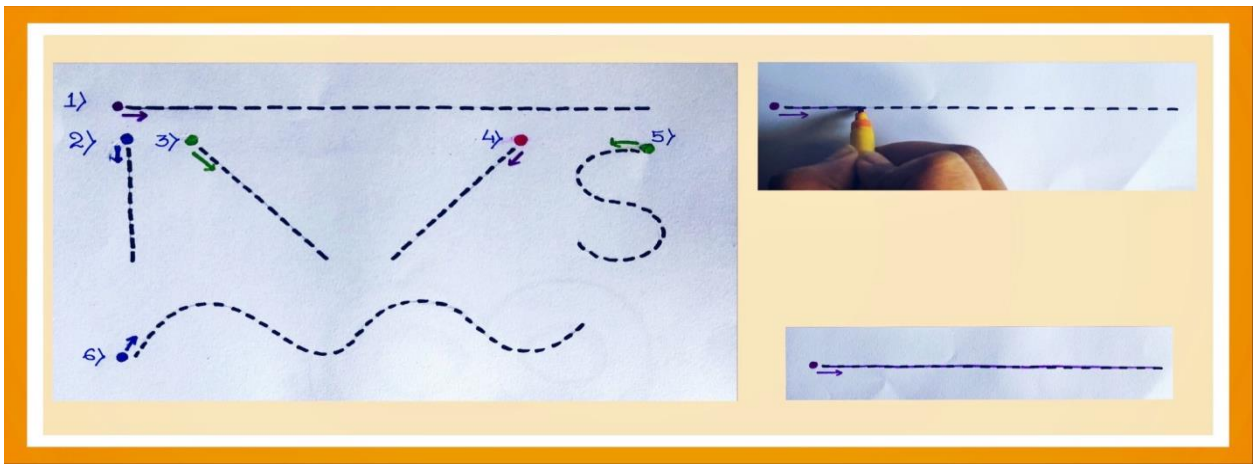

गतिविधि संख्या 2

(स्तर - i)

नाम - _____ दिनांक-_____

कक्षा- _____

बैट से बॉल को मिलाएँ|

रॉकेट से निकलती हुई गैस बनाएँ |

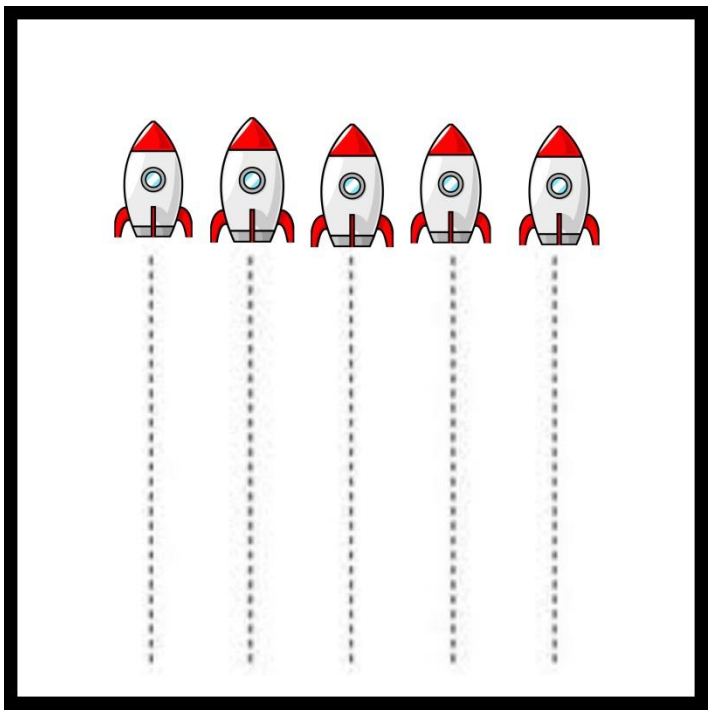

गतिविधि संख्या- 2

(स्तर - ii)

नाम - _____ **दिनांक-_____**

कक्षा- _____

बादल से होने वाली बारिश बनाएँ |

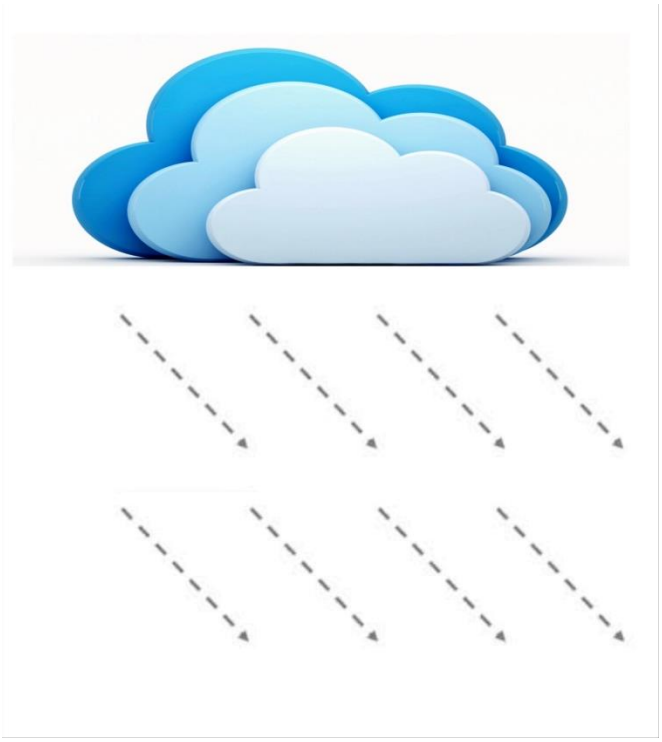

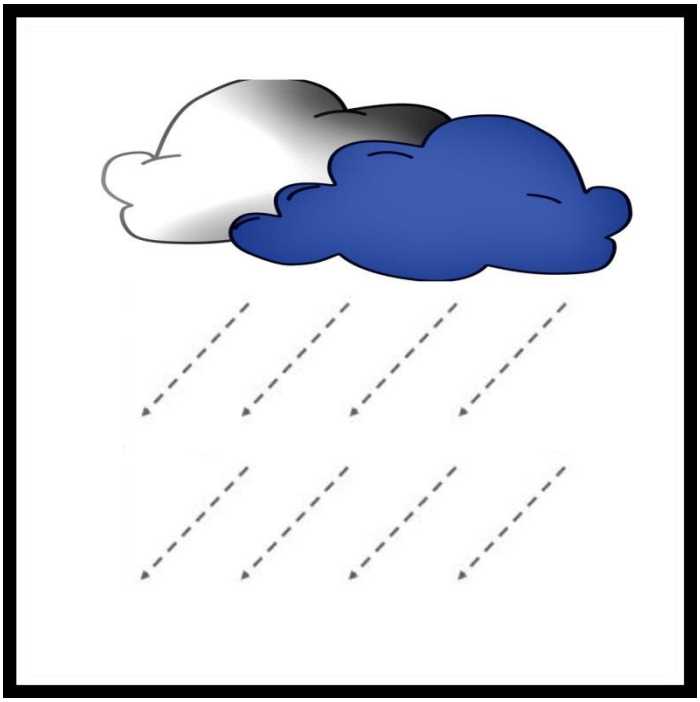

गतिविधि संख्या- 2

(स्तर - iii)

नाम - _____ **दिनांक-_____**

कक्षा- _____

साँप को चूहे के पास पहुँचाएं।

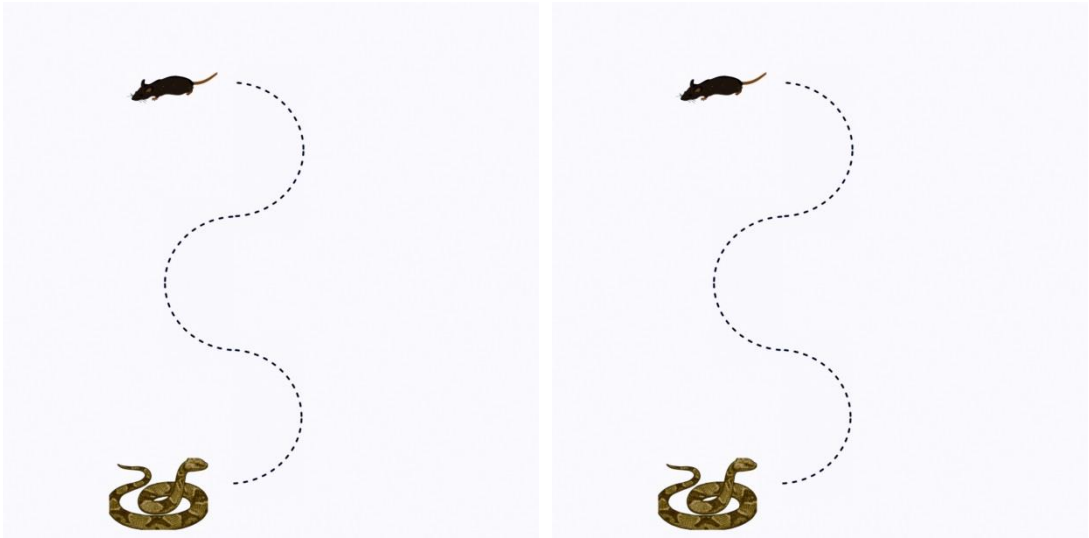

लहरों को जहाज़ तक पहुँचाएं।

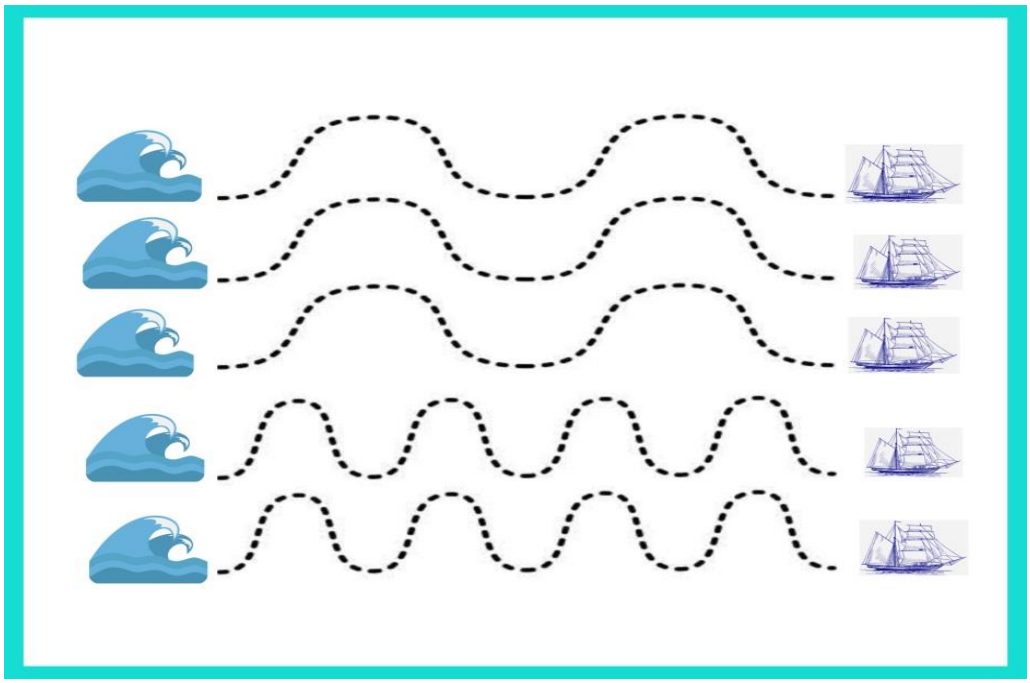

(II) शैक्षणिक(एकेडेमिक्स): पूर्व लेखन कौशल(प्री-राइटिंग स्किल)

3. गतिविधि का नाम:- 'द मेज़' गेम (भूल-भुलैया)।

लक्ष्य	शैक्षणिक(एकेडेमिक्स) कौशल का विकास।
अधिगम लाभ	पूर्व लेखन(प्री-रिटिंग) कौशल का विकास, संज्ञानात्मक(कॉगनीटिव) कौशल का विकास एवं लेखन कौशल का विकास।

3. गतिविधि स्तर- 1
'द मेज़' गेम (भूल भुलैया)।
प्रक्रिया
1. बच्चे से कहना आज हम एक नया गेम खेलेंगे । 2. बच्चे को नमूने अनुसार मेज़ (भूलभुलैया) गेम दिखाना एवं गेम का नाम बताना । 3. वर्कशीट में दी गई मेज़ (भूलभुलैया) गेम के नियम बच्चे को समझाना एवं दिए गए निर्देशों को पढ़कर सुनाना । i) बच्चे को बताना कि जो बंदर है उसे केला बहुत ही पसंद है मगर उसे इस भूल भुलैया में केले तक पहुंचने का रास्ता ढूंढना होगा । ii) बच्चे को बताना कि भूल भुलैया में स्टार्टिंग पॉइंट अथवा शुरुआत कहां से होती है व बीच-बीच में कई बार रास्ता बंद होता है तब हमें लौटकर दूसरा रास्ता लेना पड़ता है और जहाँ से रास्ता खुला होता है वहां से अंदर चले जाते हैं । 4. बच्चे को वर्कशीट देना व सुनिश्चित करना कि वह आरामदायक स्थिति में बैठा हो और उसकी कोहनी को सहारा मिले या सपोर्ट मिले। 5. बच्चे को पेंसिल से रास्ता (रेखा) बनाने को कहना । (सुनिश्चित करें कि बच्चा बार-बार हाथ ना हिलाए।) 6. बच्चे को अब भूल भुलैया हल करने के लिए कहना । 7. बच्चे को आवश्यकतानुसार शारीरिक/मौखिक/सांकेतिक सहायता प्रदान करना । 8. बच्चे को समय-समय पर प्रोत्साहित करना व शाबाशी देना।
आवश्यक सामग्री
वर्कशीट, पेंसिल, रबर।

गतिविधि संख्या - 3

(स्तर - i)

नाम - _____ दिनांक-_____

कक्षा- _____

बंदर को केले तक पहुँचाएं।

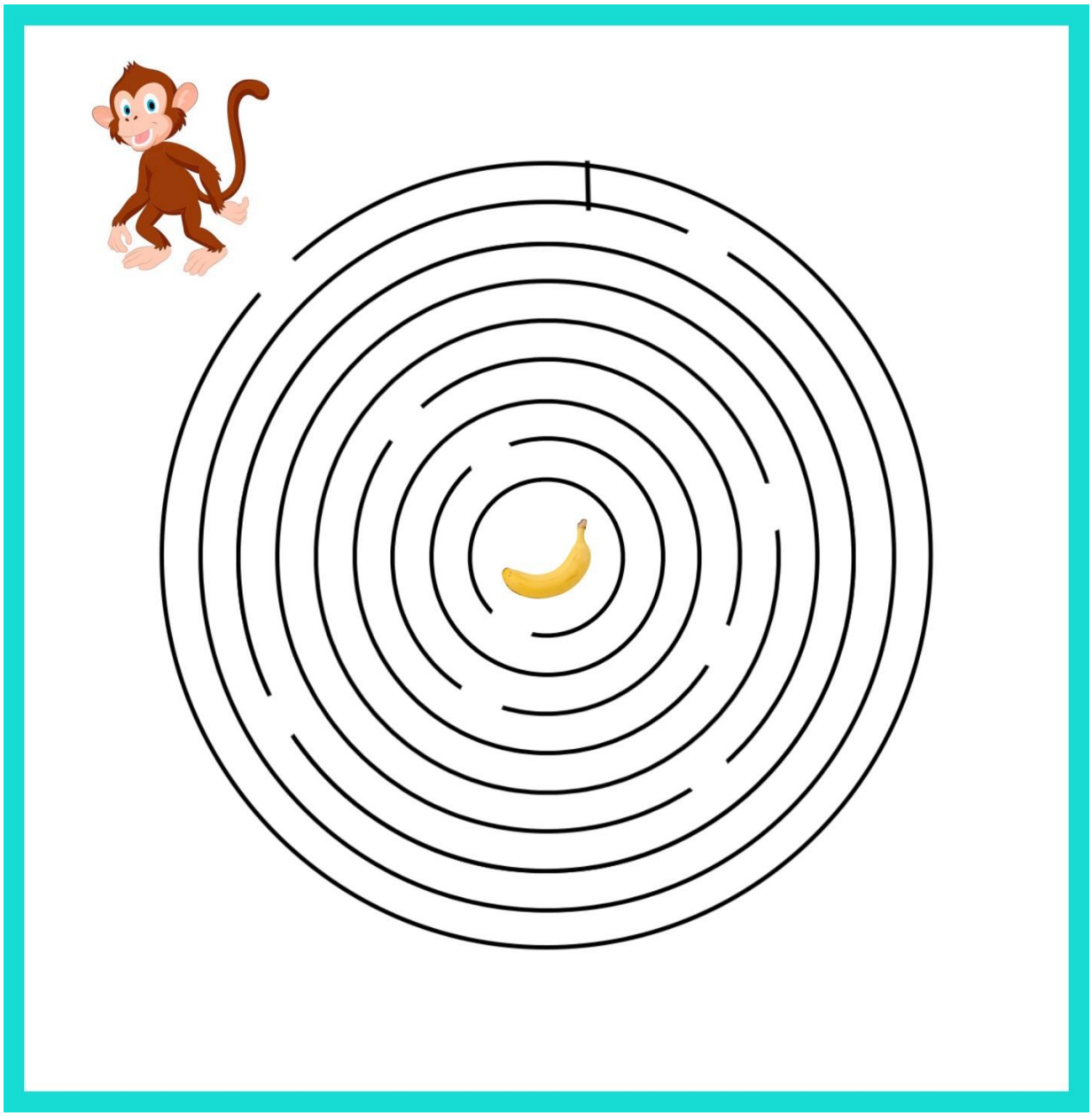

(III) शैक्षणिक(एकेडेमिक्स): पूर्व गणितीय कौशल(प्री-मैथ्स स्किल)

1. गतिविधि का नाम:- बड़ा और छोटा।

लक्ष्य	शैक्षणिक(एकेडेमिक्स) विकास।
अधिगम लाभ	संज्ञानात्मक(कॉगनीटिव) कौशल का विकास एवं आधारभूत(बेसिक) गणित कौशल का विकास।

1 (क) गतिविधि स्तर- 1	**1(ख) गतिविधि स्तर- 2**
बड़ा और छोटा।	बड़ा और छोटा (तुलनात्मक) की जानकारी।
प्रक्रिया	
1.बच्चे को एक बड़ी व एक छोटी बॉल दिखाना । 2.बच्चे को बड़ी बॉल दिखाकर बताना कि यह बॉल "बड़ी" है । 3.बच्चे के हाथ में बॉल देना एवं उसको छूकर जानने के लिए प्रेरित करना । 4.बच्चे के सामने अब बड़ी व छोटी बॉल रखना एवं बड़ी बॉल उठाकर देने को कहना। 5.बच्चे को घर में उपलब्ध छोटी व बड़ी प्लेट, कटोरी, बोतल, किताबें इत्यादि देना एवं सभी बड़ी वस्तुएँ छाँट कर अलग रखने को कहना । 6.बच्चे को बड़ी वस्तुएँ छाँट कर रखने पर शाबाशी देना । 7.बच्चे को एक बड़ी व एक छोटी बोतल दिखाना | 8.बच्चे को छोटी बोतल दिखाकर बताना कि यह बोतल 'छोटी' है । 9.बच्चे के हाथ में बोतल देना एवं उसको छूकर जानने के लिए प्रेरित करना । 10.बच्चे के सामने अब बड़ी व छोटी बोतल रखना एवं छोटी बोतल उठाकर देने को कहना ।	1.बच्चे के सामने विभिन्न आकार की तीन पेन्सिलें रखना। 2.बच्चे को तीनों पेन्सिलों को छूकर आकार महसूस करने को कहना । 3.बच्चे को तीनों पेन्सिलों में से बड़ी पेंसिल दिखाकर बताना कि यह बड़ी पेंसिल है । 4.अब बच्चे को उससे बड़ी पेंसिल दिखाकर बताना कि यह उससे बड़ी पेंसिल है । 5.अंत में बच्चे को सबसे बड़ी पेंसिल दिखाकर बताना कि यह सबसे बड़ी पेंसिल है । 6.बच्चे के सामने तीनों पेन्सिलें रखना एवं बड़ी, उससे बड़ी व सबसे बड़ी पेंसिल को क्रम से लगाकर दिखाना । 7.बच्चे से तीनों पेन्सिलों को बड़ी, उससे बड़ी व सबसे बड़ी के क्रम में लगाने को कहना। 8.बच्चे को पेंसिल सही क्रम में लगाने पर शाबाशी देना। 9.बच्चे को घर में उपलब्ध तीन आकार की वस्तुएँ (चम्मचें, कटोरियाँ, डिब्बे) दिखाकर क्रमानुसार (बड़ा ,उससे बड़ा, सबसे बड़ा) लगाने का अभ्यास कराना । 10.बच्चे के सामने विभिन्न आकार की तीन कटोरी रखना। 11.बच्चे को तीनों कटोरियों को छूकर आकार महसूस करने को कहना । 12.बच्चे को तीनों कटोरियों में से छोटी कटोरी दिखाकर बताना कि यह छोटी कटोरी है । 13.अब बच्चे को उससे छोटी कटोरी दिखाकर बताना कि

11.बच्चे को घर में उपलब्ध छोटी व बड़ी प्लेट, कटोरी, बोतल, किताबें इत्यादि देना एवं सभी छोटी वस्तुएँ छाँट कर अलग रखने को कहना । 12.बच्चे को छोटी वस्तुएँ छाँट कर रखने पर शाबाशी देना । 13.बच्चे से घरेलू कार्य के दौरान छोटी व बड़ी वस्तुएँ पहचानने को कहना । 14.बच्चे को वर्कशीट देना व लिखे गए निर्देशों को पढ़कर बताना । 13.बच्चे को बड़ी वस्तु के चित्र में रंग भरने को कहना एवं छोटी वस्तु के चित्र पर गोला लगाने को कहना । 14.आवश्यकतानुसार शारीरिक/ मौखिक/ सांकेतिक सहायता प्रदान करना ।	यह उससे छोटी कटोरी है । 14.अंत में बच्चे को सबसे छोटी कटोरी दिखाकर बताना कि यह सबसे छोटी कटोरी है । 15.बच्चे के सामने तीनों कटोरियाँ रखना एवं छोटी, उससे छोटी व सबसे छोटी कटोरी को क्रम से लगाकर दिखाना । 16.बच्चे से तीनों कटोरियों को छोटी, उससे छोटी व सबसे छोटी कटोरी को क्रम में लगाने को कहना । 17.बच्चे को कटोरी सही क्रम में लगाने पर शाबाशी देना । 18.बच्चे को घर में उपलब्ध तीन आकार की वस्तुएँ (चम्मचें, कटोरियाँ, डिब्बे) दिखाकर क्रमानुसार (छोटी, उससे छोटी, सबसे छोटी) लगाने का अभ्यास कराना । 19.आवश्यकतानुसार शारीरिक/ मौखिक/ सांकेतिक सहायता प्रदान करना ।
आवश्यक सामग्री	
छोटी व बड़ी बॉल, प्लेट, कटोरी, किताबें एवं बोतलें, वर्कशीट।	पेंसिल, कटोरी, चम्मचें, डिब्बे।

गतिविधि संख्या - 1

(स्तर - i)

नाम - _____ **दिनांक-_____**

कक्षा- _____

नीचे दी गई बड़ी वस्तु के चित्र में रंग भरें एवं छोटी वस्तु के चित्र पर गोला लगाएँ।

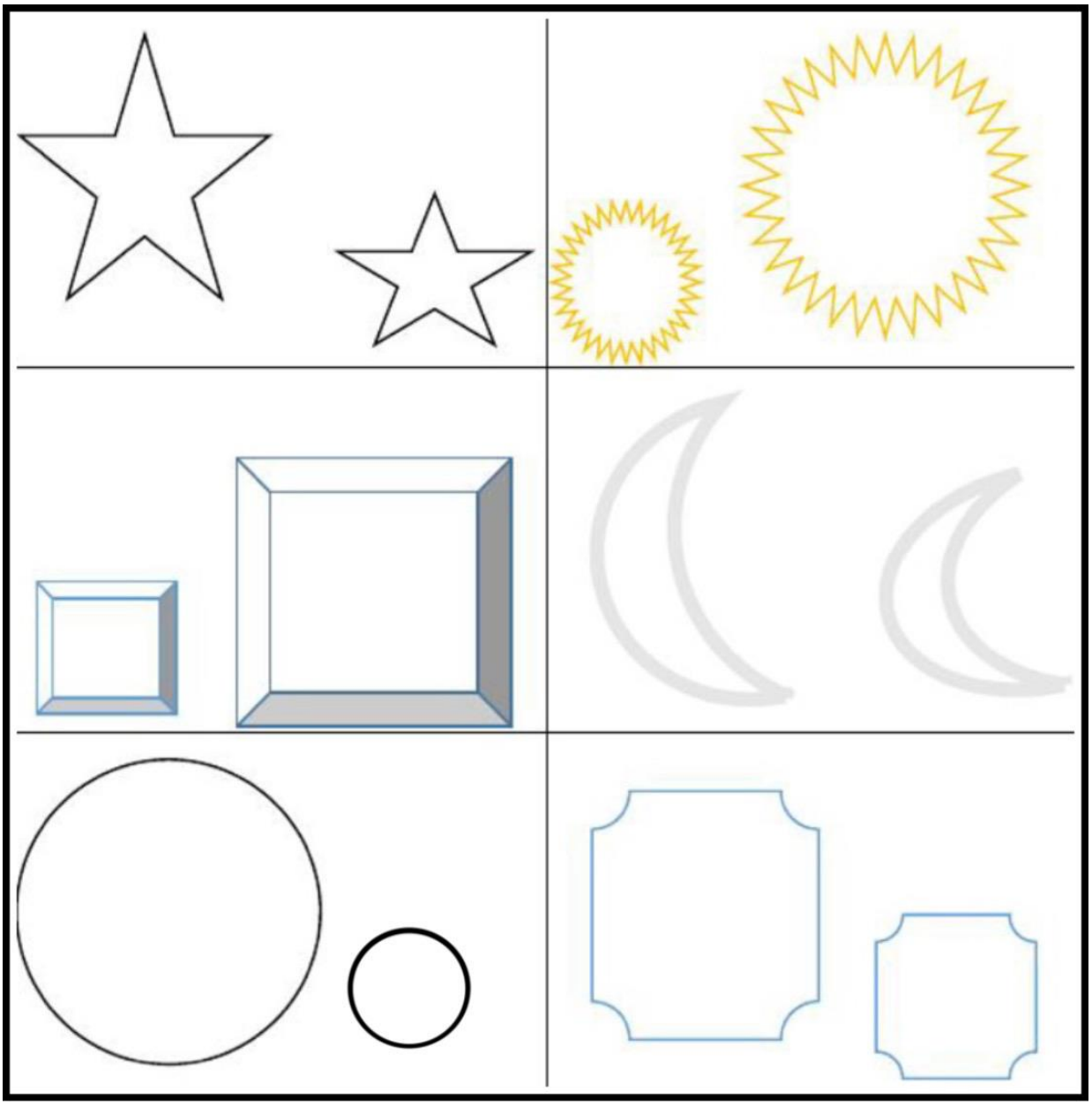

गतिविधि संख्या - 1
(स्तर - ii)

नाम - ________________ दिनांक-_______________

कक्षा- ________________

दिए गए चित्रों में से सबसे छोटी वस्तु पर गोला एवं सबसे बड़ी वस्तु पर सही का निशान लगाएँ।

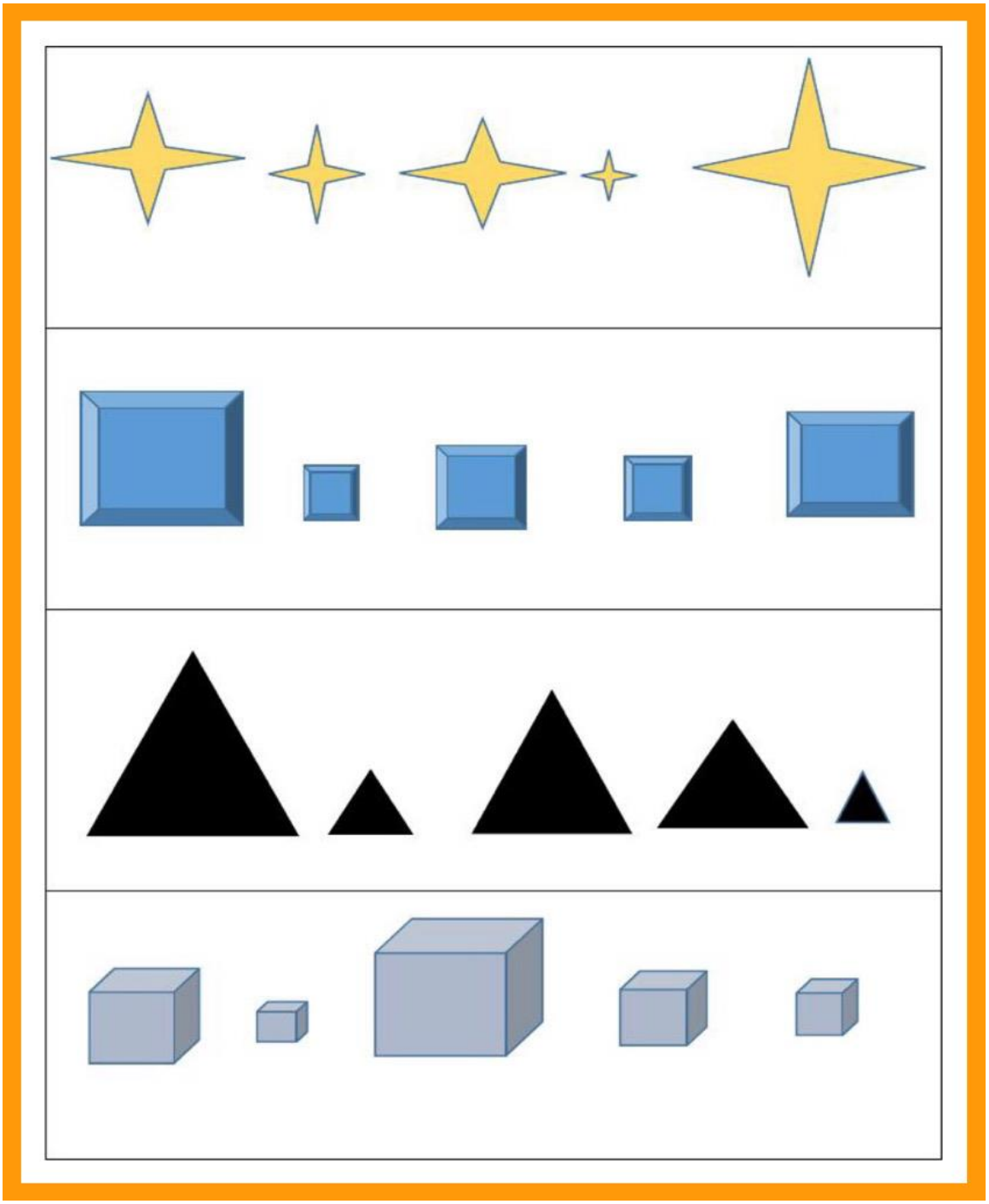

गतिविधि संख्या - 1

(स्तर - iii)

नाम - _____ **दिनांक-**_____

कक्षा- _____

दिए गए चित्रों को बड़ा, उससे बड़ा व सबसे बड़ा के क्रमानुसार 1, 2 व 3 संख्या बॉक्स में लिखे ।

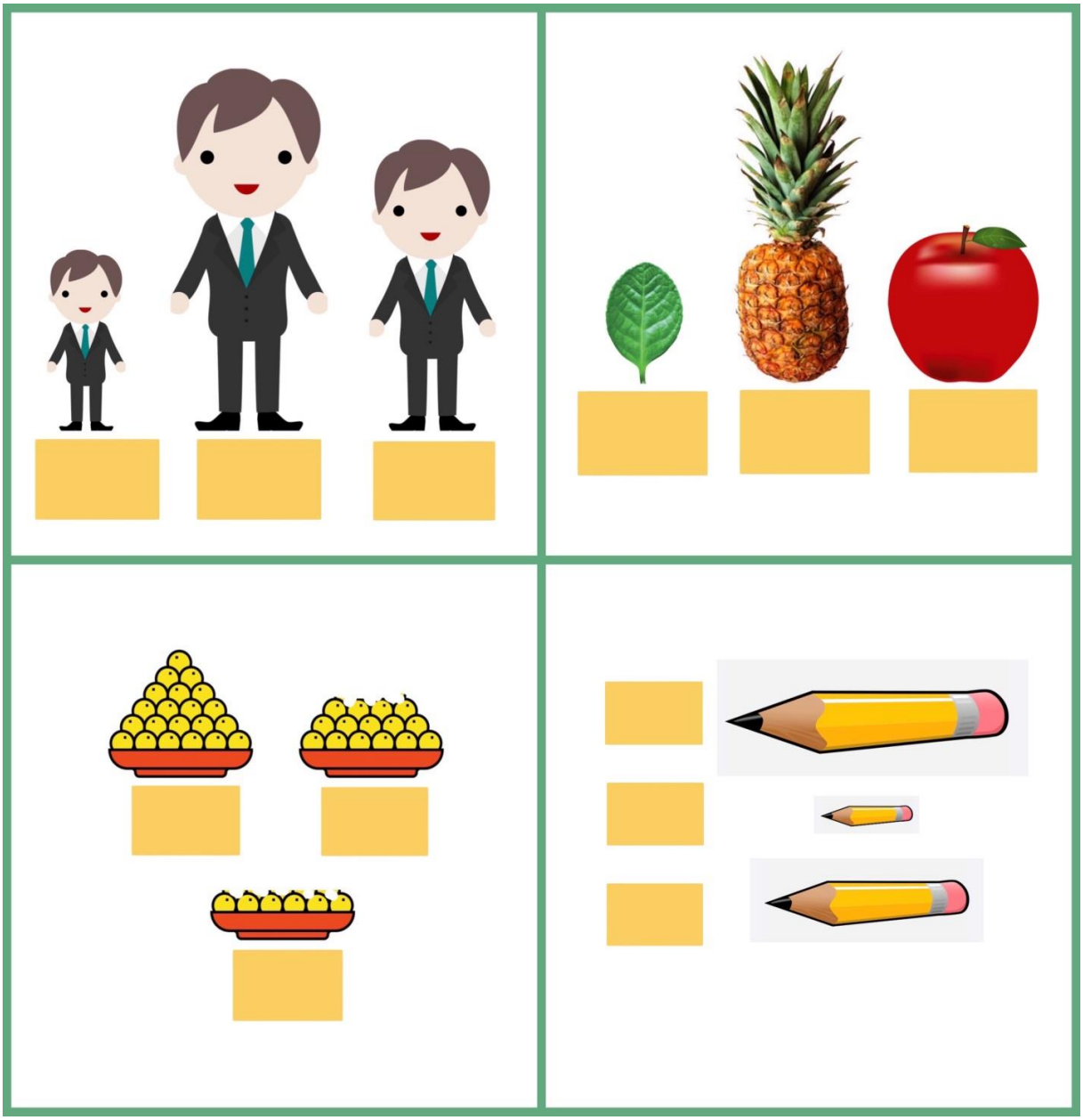

(III) शैक्षणिक(एकेडेमिक्स): पूर्व गणितीय कौशल(प्री-मैथ्स स्किल)

2.गतिविधि का नाम:- गणनीय (cardinal) संख्या एवं क्रमांक (ordinal) संख्या

लक्ष्य	शैक्षणिक(एकेडेमिक्स) विकास।
अधिगम लाभ	संज्ञानात्मक(कॉगनीटिव) विकास एवं क्रमबद्धता की समझ।

2 (क) गतिविधि स्तर- 1
गणनीय (Cardinal) संख्या एवं क्रमांक (Ordinal) संख्या की जानकारी।
प्रक्रिया
1.बच्चे को पांच पेंसिल देना व उसको गिनने के लिए कहना । 2.अब बच्चे को बताना कि गिनने से पता चलता है कि हमारे पास कोई वस्तु कितनी मात्रा में है, इसे गणनीय संख्या कहा जाता है । जैसे:- राम के पास 3 गेंद हैं (000)। 3.बच्चे को क्रमसूचक संख्या के विषय में बताना:- जब हमें किसी वस्तु या व्यक्ति की स्थिति या स्थान किसी श्रृंखला में दर्शाना हो या क्रम की सूचना देनी हो तो हम क्रम संख्या या क्रमसूचक संख्या का प्रयोग करते हैं। जैसे:- बच्चे के सामने 5 गेंद (00000) रखें और बताएं गेंद 1 (0) को हम पहला या प्रथम कहेंगे, गेंद 2 (00) को हम उसकी स्थिति के अनुसार दूसरा व गेंद 3 (000) को स्थान के अनुसार तीसरा कहेंगे इत्यादि। 4.बच्चे को क्रमसूचक संख्या चार्ट द्वारा पढ़कर बताना। 5.बच्चे को घर की वस्तुओं को क्रम से लगाकर क्रमसूचक संख्या का अभ्यास कराना। उदाहरण:- बच्चे के सामने एक सीधी लाइन में 5 कटोरियाँ रखना एवं बच्चे को उनका क्रम बताने को कहना। 6.बच्चे को स्तर अनुसार वर्कशीट देना व निर्देशों को पढ़कर सुनाना । i)बच्चे को वर्कशीट 1 देना व निर्देशानुसार रंग भरने को कहना। ii)बच्चे को वर्कशीट 2 व निर्देशानुसार अक्षरों की स्थिति या क्रम को रेखांकित करने को कहना । iii)बच्चे को वर्कशीट 3 में दिए गए निर्देशानुसार अक्षरों के क्रम को लिखने के लिए कहना। 7.बच्चे को प्रोत्साहित करना एवं शाबाशी देना। 8.बच्चे को आवश्यकतानुसार लिखित शारीरिक या मौखिक सहायता प्रदान करना।
आवश्यक सामग्री
कटोरियाँ, क्रेयॉन, पेंसिल, वर्कशीट, क्रमसूचक संख्या चार्ट।

चित्र/वर्कशीट का प्रारूप-

	गणनीय संख्या	क्रमांक संख्या	स्थान		गणनीय संख्या	क्रमांक संख्या	स्थान
1	एक	पहला	1st	6	छ:	छठा	6th
2	दो	दूसरा	2nd	7	सात	सातवाँ	7th
3	तीन	तीसरा	3rd	8	आठ	आठवाँ	8th
4	चार	चौथा	4th	9	नौ	नौवाँ	9th
5	पांच	पाचवाँ	5th	10	दस	दसवाँ	10th

गतिविधि संख्या - 2

(स्तर - i)

नाम - _____ **दिनांक-**_____

कक्षा- _____

दिए गए आकारों में क्रम के अनुसार रंग भरें।

1. 4th - चौथे आकार में रंग भरें:

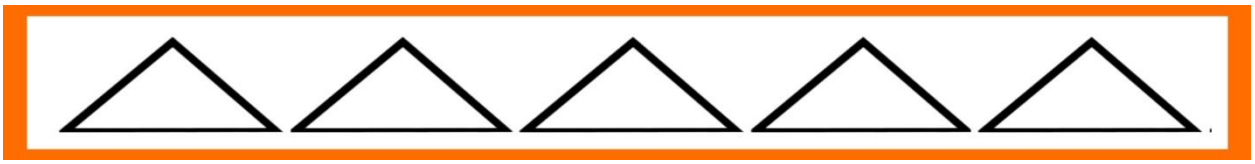

2. 2nd – दूसरे आकार में रंग भरें:

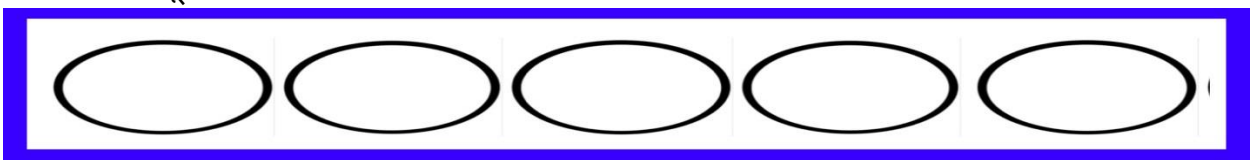

3. 5th – पाँचवे आकार में रंग भरें:

4. 1st – पहले आकार में रंग भरें:

5. 3rd – तीसरे आकार में रंग भरें:

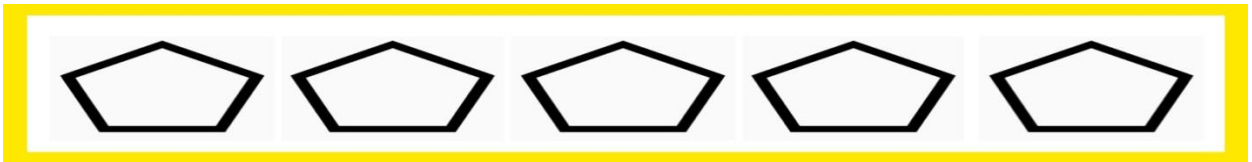

गतिविधि संख्या - 2

(स्तर - ii)

नाम - _____ **दिनांक-_____**

कक्षा- _____

1. **दिए गए शब्दों में तीसरे अक्षर को रेखांकित करें "____"।**

   i) **सड़क**
   ii) **नटखट**
   iii) **पनघट**

2. **दिए गए शब्दों में पहले अक्षर को रेखांकित "____" करें।**

   i) **झटपट**
   ii) **सरपत**
   iii) **जल**

3. **दिए गए शब्दों में दूसरे अक्षर को रेखांकित "____" करें।**

   i) **अखरोट**
   ii) **अमरूद**
   iii) **मछली**

गतिविधि संख्या - 2

(स्तर - iii)

नाम - _____ दिनांक-_____

कक्षा- _____

दिए गए शब्दों मे रेखांकित अक्षरों की क्रम संख्या लिखें।

1. उपनयन

i)	<u>प</u> की क्रम संख्या	2
ii)	<u>उ</u> की क्रम संख्या	
iii)	<u>य</u> की क्रम संख्या	

2. एकवचन

i)	<u>च</u> की क्रम संख्या	
ii)	<u>न</u> की क्रम संख्या	
iii)	<u>क</u> की क्रम संख्या	

3. अजगर

i)	<u>ग</u> की क्रम संख्या	
ii)	<u>अ</u> की क्रम संख्या	
iii)	<u>र</u> की क्रम संख्या	

(III) शैक्षणिक(एकेडेमिक्स): पूर्व गणितीय कौशल(प्री-मैथ्स स्किल)

3.गतिविधि का नाम:- आकार (Shapes)

लक्ष्य	शैक्षणिक(एकेडेमिक्स) विकास।
अधिगम लाभ	संज्ञानात्मक(कॉगनीटिव) कौशल का विकास एवं गणितीय कौशल का विकास।

3 (क) गतिविधि स्तर- 1
आकृति /आकार की पहचान (गोल, आयताकार, तिकोना, चौकोर, अंडाकार एवं अर्धगोलाकार)।
प्रक्रिया
1.बच्चे को एक कविता सुनायें (गोल शब्द पर जोर देते हुए)। "मम्मी की रोटी गोल -गोल पापा का पैसा गोल दादी की बिंदी गोल-गोल दादा जी का चश्मा गोल सारी दुनिया गोलम -गोल" 2.बच्चे को दिए गए चार्ट -1 में बनी आकृति (गोल) दिखाना । 3.बच्चे को चार्ट-2 देना एवं चार्ट-1 में बनी आकृति को चार्ट -2 में पहचान कर बताने (छूकर) को कहना । 4.बच्चे के सफल प्रयास पर शाबाशी देना । 5.अब बच्चे को चार्ट-3 देना एवं चार्ट-1 में बनी आकृति को चार्ट-3 में पहचान कर बताने (छूकर) को कहना । 6.बच्चे को चार्ट-4 देना एवं उसको बताना कि इसमें बनी आकृति को हम "गोल" कहते है । 7.बच्चे को चार्ट-5 देना व गोल आकार की वस्तुओं की पहचान कराना एवं उनके नाम बताना जैसे- सिक्के, बिंदी, चूड़ी, रोटी, प्लेट एवं चश्मा इत्यादि । 8.अब बच्चे को घर में विभिन्न जगहों पर अलग-अलग कार्यों के दौरान बच्चे को गोल आकृति का सामान दिखाना जैसे:- खाने के समय प्लेट का आकार, कटोरी, बिंदी, चूड़ी, सिक्के एवं अख़बार में कोई गोल चित्र । 9.अभिभावक द्वारा बच्चे को हाथ घुमाकर हवा में गोल आकार बना कर दिखाना । 10.अब बच्चे से हाथ घुमाकर हवा में गोल आकार बनाने को कहना एवं गोल आकार बनाने पर शाबाशी देना । 11.बच्चे को घर में उपलब्ध विभिन्न आकार की वस्तुएँ (बॉल, कंघी, पेन, डिब्बा, चूड़ी, सिक्के, प्लेट इत्यादि) देना । 12.बच्चे से गोल आकार की वस्तुएँ छाँटने को कहना । 13.इसी प्रक्रिया द्वारा बच्चे को एक-एक करके अन्य आकृति जैसे- आयताकार, तिकोना एवं चौकोर सिखाना एवं आकृतियों से सम्बंधित निम्नलिखित जानकारी विस्तार से देना:- i)आयताकार आकृति दिखाना एवं बताना कि यह आयताकार है, इसके चार कोने हैं, इसमें आमने-सामने की भुजाएं एक समान होती हैं, जैसे:- ईंट, दरवाजा, खिड़की, किताबें इत्यादि । ii)त्रिकोण/त्रिभुज/तिकोना आकृति दिखाना एवं बताना कि इसके तीन कोने एवं तीन कोण होते हैं, जैसे:- समोसा, सैंडविच, पिरामिड, बर्थडे कैप इत्यादि ।

iii)चौकोर आकृति दिखाना एवं बताना कि चौकोर के चार कोने होते हैं, इसकी चारों भुजाएँ बराबर /सामान होती है, जैसे:- पतंग, ब्रेड, लूडो डाइस इत्यादि ।

14.बच्चे को आकृतियों को मिलाकर देना एवं आकार के अनुसार अलग-अलग करने को कहना ।

15.बच्चे से उसके आस पास/घर में उपलब्ध चीज़ों में से आकृति (आयताकार, तिकोना एवं चौकोर) पहचान कर उनका नाम बताने को कहना ।

16.बच्चे को आवश्यकतानुसार शारीरिक/सांकेतिक/मौखिक सहायता प्रदान करना ।

17.जब बच्चे को ऊपर दी गई आकृतियों की पहचान हो जाए तो इसी प्रक्रिया से अंडाकार एवं अर्धगोलाकार आकृति की पहचान कराना ।

18.इन आकृतियों से सम्बंधित निम्नलिखित जानकारी विस्तार से देना:-

i)अंडाकार- यह अंडे की तरह गोल एवं लम्बा होता है, इसे हम ओवल भी कहते है, जैसे:- अंडा, गुब्बारा इत्यादि ।

ii) अर्धगोलाकार यह एक आधा गोला होता है, जैसे:- छाता, आधा काटा हुआ तरबूज़, डी, इग्लू की छत इत्यादि ।

बच्चे को आकृतियों को मिलाकर देना एवं आकार के अनुसार अलग-अलग करने को कहना ।

19.बच्चे से उसके आस पास/घर में उपलब्ध चीज़ों में से आकृति (आयताकार, तिकोना एवं चौकोर) पहचान कर उनका नाम बताने को कहना ।

20.बच्चे को आवश्यकतानुसार शारीरिक/सांकेतिक/मौखिक सहायता प्रदान करना ।

आवश्यक सामग्री

वर्कशीट, चार्ट, पेंसिल, क्रेयॉन्स, विभिन्न आकृतियों की वस्तुएँ।

चित्र/वर्कशीट का प्रारूप-

1) गोलाकार

चार्ट-1 **चार्ट-2** **चार्ट-3** **चार्ट-4**

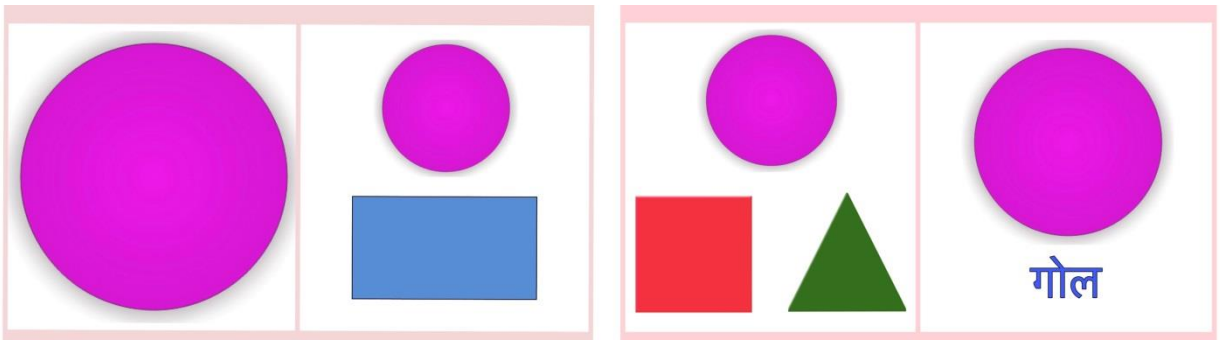

चार्ट-5

2) आयताकार

चार्ट-1 चार्ट-2 चार्ट-3 चार्ट-4

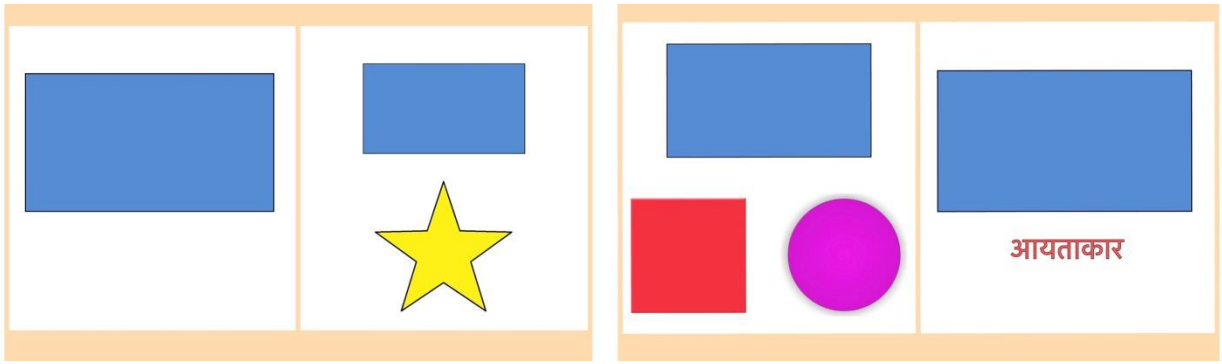

चार्ट-5

3) तिकोना

चार्ट-1 चार्ट-2 चार्ट-3 चार्ट-4

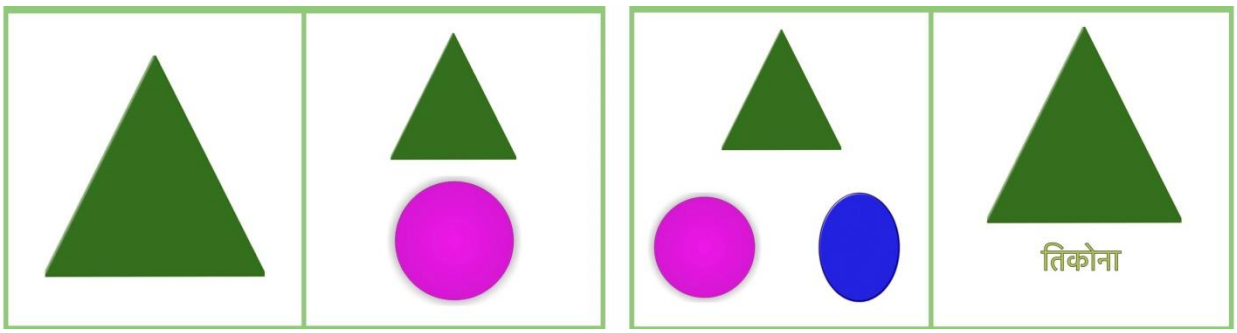

चार्ट-5

4) चौकोर

चार्ट-1 चार्ट-2 चार्ट-3 चार्ट-4

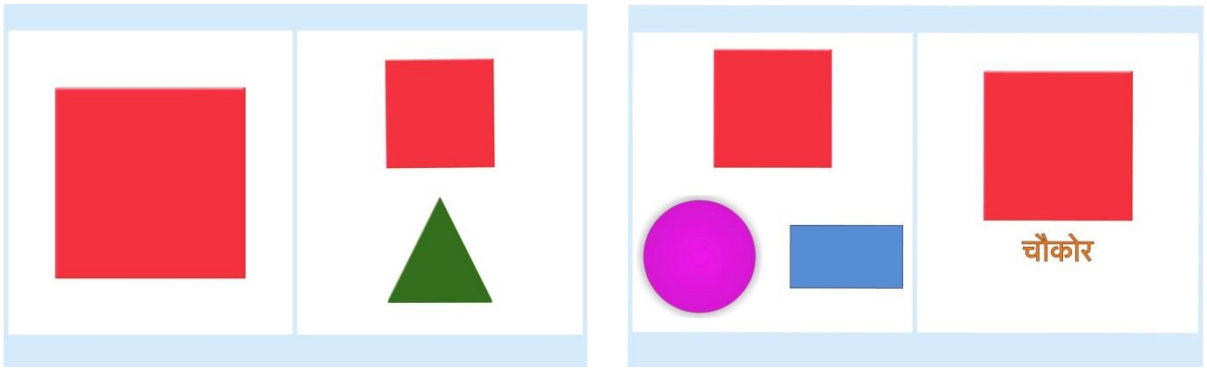

चार्ट-5

5) अंडाकार

चार्ट-1 चार्ट-2 चार्ट-3 चार्ट-4

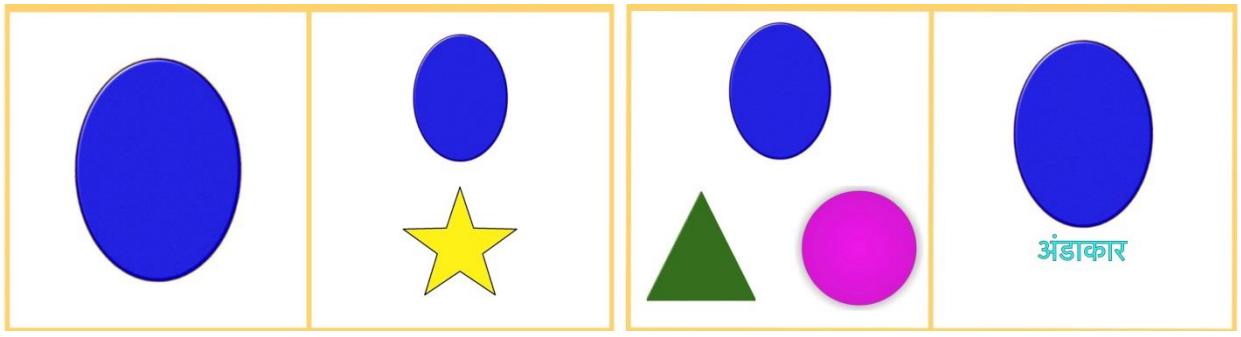

चार्ट-5

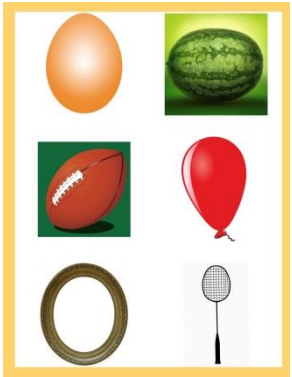

6) अर्धगोलाकार

चार्ट-1 चार्ट-2 चार्ट-3 चार्ट-4

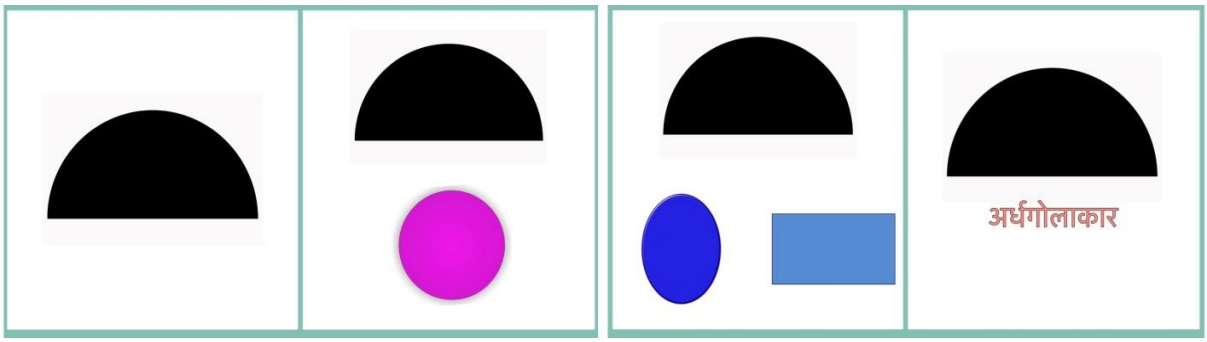

चार्ट-5

गतिविधि संख्या - 3
(स्तर - i)

नाम - ________________ दिनांक-_______________

कक्षा- ________________

नीचे दी गई आकृतियों में रुई चिपकायें और छूकर महसूस करें |

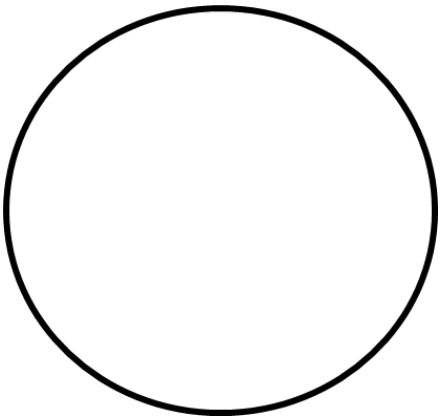

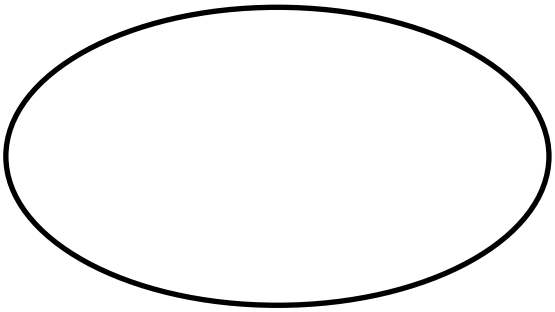

नीचे दी गई आकृतियों में माचिस की तीली चिपकायें और छूकर महसूस करें ।

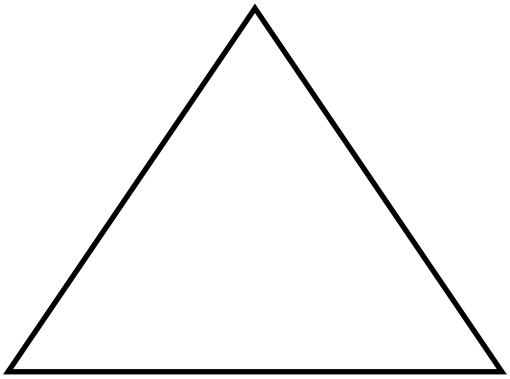

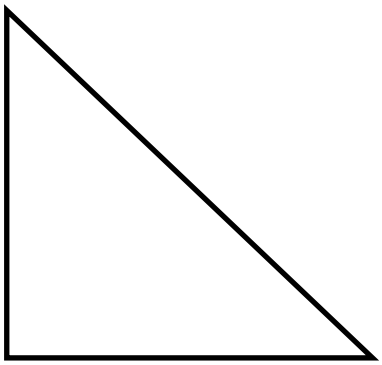

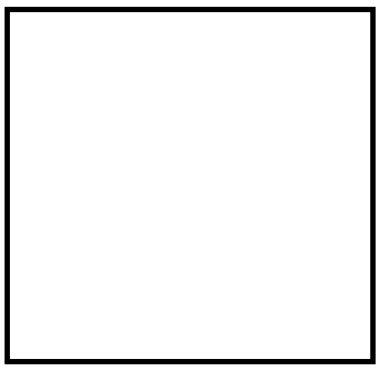

गतिविधि संख्या - 3

(स्तर - ii)

नाम - _____ **दिनांक-_____**

कक्षा- _____

नीचे दिये गए चित्र में आकृतियों को पहचान कर गोल में काला, चौकोर में हरा, तिकोने में नीला एवं आयताकार में पीला रंग भरें |

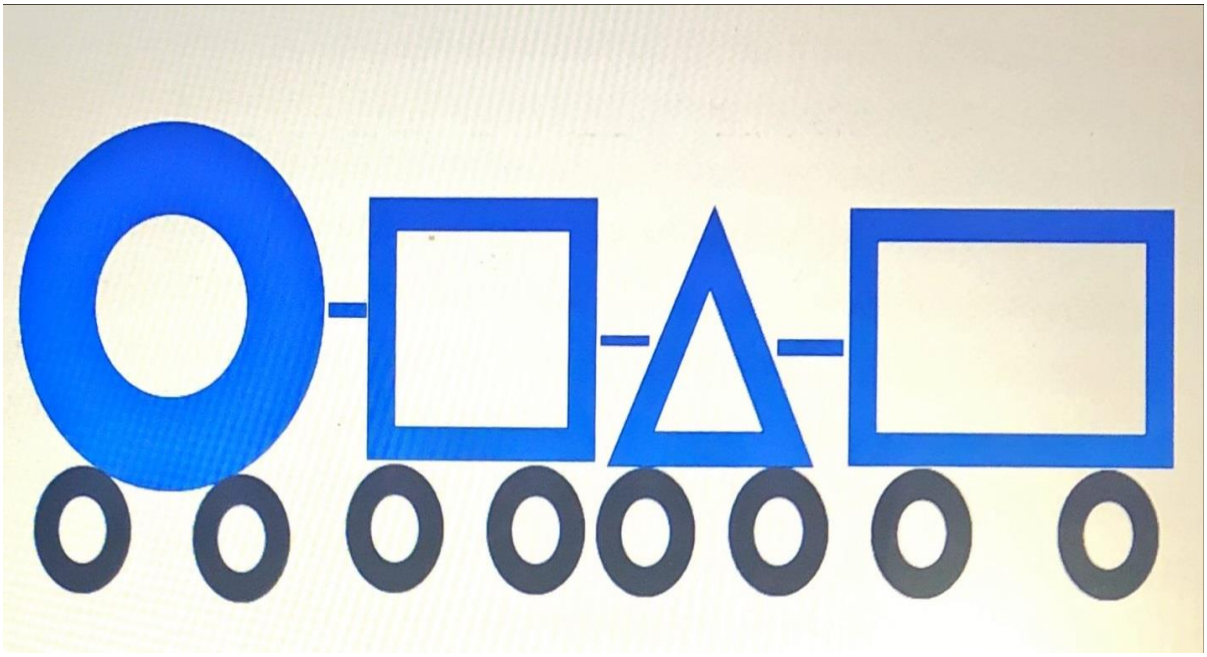

पूर्व पठन कौशल
पूर्व लेखन कौशल
विज्ञान
पूर्व गणितीय कौशल
गणितीय कौशल
अंग्रेजी
हिन्दी
सामाजिक विज्ञान